भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

20 नवम्बर - 26 नवम्बर 2024

jagrukjanta.net

कार्तिक, पक्ष - कृष्ण, तिथि - पंचमी, संवत 2081 पृष्ठ : 8+2 जयपुर, बुधवार वर्ष-10, अंक-38, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

ईपीएफ पेंशनर्स ने क्या बिगाड़ा है? इनकी भी सुध ले सरकार

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा के चुनाव 2014 में नारा दिया था-'सबका साथ, सबका विकास'। उसके बाद देश में खूब विकास हो रहा है। देश के विकास के साथ-साथ आम आदमी की आय में भी बढ़ोतरी की जा रही है। किसी को सिलैण्डर फ्री, तो किसी को पेंशन फ्री, तो किसी को चिकित्सा सुविधा फ्री, तो किसी को यात्रा फ्री, गरीब और मजदूरों को भी खूब फ्री का सामान मिल रहा है। महिलाओं को कई राज्यों में अलग-अलग नामों से नगद राशि दी जा रही है। बुजुर्गों को भी सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है। उसमें भी बढ़ोतरी कर दी गई है। सरकारी कर्मचारियों को समय-समय पर वेतन वृद्धि और डीए आदि की बढ़ोतरी होती ही रहती है। जो कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं उनकी भी पेंशन में क्रमबद्ध तरीके से बढ़ोतरी की जा रही है। छात्र-छात्राओं को भी पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति के नाम पर पैसे दिए जा रहे हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि सबकी आय में किसी न किसी बहाने वृद्धि हो रही है। लेकिन कहते हैं न कि रोये बगैर मां भी बच्चे को दूध नहीं पिलाती। मगर जिस बच्चे के मां ही नहीं है जिसे रोना ही नहीं आता है वह तो भूखा ही मर जाएगा, कोई सुनने वाला ही नहीं है। वही हालत हो रही है प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले रिटायर्ड कर्मचारियों की। जिनका पीएफ और ईपीएफ कटता था। सर्विस के दौरान चिकित्सा भी ईएसआई अस्पताल से हो जाया करती थी। और तनख्वाह जो भी मिलती थी उससे अपना गुजारा भी कर लिया करते थे। मगर रिटायर्ड होने के बाद वर्षों बरस नौकरी करने के बाद रिटायर होने पर पीएफ का जो पैसा कटता था, वह मिल गया। कंपनियों ने जो ग्रेच्युटी दी वो ले ली। कई कंपनियों ने तो बहानेबाजी या सर्विस फर्म बदलकर ग्रेच्युटी भी नहीं दी। क्या करे हर कोई तो मुकदमा कर नहीं सकता। खैर, ऐसे कर्मचारियों को 1995 से पेंशन योजना चालू की थी जिसमें पेंशन के पैसे काटे जाने लगे। पेंशन कितनी मिलती है सुनकर रोना आ जाएगा। 20-20 साल नौकरी कर चुके लोगों को एक हजार, दो हजार या ढाई हजार रुपए की पेंशन मिल रही है। सरकार को इन सेवामुक्त कर्मचारियों की स्थिति दिखाई नहीं दे रही, क्योंकि 'ये रोएं तो रोएं कैसे' किसके सामने रोएं। मां इनके है नहीं, जो दूध पिला दे। मर रहे हैं भूखे, वरना चारों तरफ दोनों हाथों से देश का माल लुटाया जा रहा है वोटों के लिए। मगर इन रिटायर्ड कर्मचारियों का कोई मां-बाप नहीं है। इसलिए न कोई इनकी आवाज है और न ही कोई इनकी सुध लेने वाला। इनका कोई संगठन भी नहीं है। जो इस बात को राजनेताओं और सरकार के समक्ष रख सके। इसलिए एक हजार से लेकर दो-ढाई हजार रुपए तक की पेंशन लेते हुए सुबक रहे हैं। सबका विकास सबका साथ चाहने वालों को इन कर्मचारियों की भी सुध लेनी चाहिए। ये भी देश के वोटर हैं।

shivdayalmishra@gmail.com

मुख्यमंत्री ने ली चिकित्सा विभाग की समीक्षा बैठक

आपणो स्वस्थ राजस्थान राज्य सरकार की प्राथमिकता-शर्मा

स्वास्थ्य विभाग में 48 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन

अन्तिम व्यक्ति तक सुनिश्चित किया जाए सुलभ एवं सस्ता इलाज-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता को सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हम अन्तिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग आमजन से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ विभाग है, इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी राज्य सरकार की सभी बजटीय घोषणाओं को प्रभावी कार्ययोजना के साथ त्वरित गति से पूरा किया जाए, जिससे 'आपणो स्वस्थ राजस्थान' की संकल्पना साकार हो। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर भी मौजूद रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में लगभग 48 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया मिशन मोड़ पर चल रही है तथा अब तक लगभग 8 हजार पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग में खाली पड़े पदों पर आवश्यकतानुसार चरणबद्ध रूप से भर्ती की जाए तथा न्यायालय में लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करवाकर नियुक्तियां दी जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे शहरों और कस्बों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने प्रदेशभर में आयुष्मान मॉडल सीएचसी बनाने का निर्णय लिया है। इससे न केवल निचले स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी बल्कि बड़े अस्पतालों पर भार भी कम होगा। उन्होंने अधिकारियों को इन मॉडल सीएचसी का काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

भारत-पाक बॉर्डर से 750 किमी अंदर कैसे पहुंचा पाक बेलून

डीग में पाकिस्तानी गुब्बारा मिलने से हड़कंप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/डीग। भारत-पाक सीमावर्ती इलाके में पाकिस्तान से ड्रोन, गुब्बारे सहित अन्य चीजें मिलने की खबर आती रहती है। लेकिन मंगलवार को भारत-पाक इंटरनेशनल बॉर्डर से करीब 750 किलोमीटर अंदर राजस्थान के डीग जिले में पाकिस्तानी गुब्बारा मिलने से हड़कंप मच गया। यह गुब्बारा जहाज जैसा है। जिसपर अंग्रेजी और उर्दू में PIA लिखा है। यह गुब्बारा डीग तक कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार डीग जिले के माढ़ेरा के जंगलों में PIA एयरलाइंस लिखा गुब्बारा मिला। गुब्बारे का आकार बिल्कुल एक जहाज जैसा है। उस पर विमान की खिड़कियों और दरवाजों को चित्रित किया गया है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना डीग पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पहुंची और गुब्बारे को अपने कब्जे में लेकर जांच में जुट गई है। लेकिन उसके अंदर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

पीएम नरेंद्र मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी से की मुलाकात

भारत-इटली द्विपक्षीय संबंधों को देंगे मजबूती-मोदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी जी20 में शामिल होने के लिए ब्राजील के शहर रियो डे जेनेरियो पहुंचे हैं। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने इटली की अपनी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की है। इसे लेकर उन्होंने एक्स पर पोस्ट भी शेयर किया है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी से की मुलाकात

जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरियो पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने जी20 सम्मेलन के इतर इटली, इंडोनेशिया, नॉर्वे और पुर्तगाल सहित कई देशों के नेताओं से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों के बेहतर बनाने और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने इटली की अपनी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। इस दौरान सुरक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में संबंधों को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की गई। मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट शेयर किया।

पीएम मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी से की मुलाकात

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट लिखा, "रियो डी जेनेरियो जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मिलकर खुशी हुई। हमारी बातचीत रक्षा, व्यापार, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में संबंधों को गहरा करने पर केंद्रित रही। हमने संस्कृति, शिक्षा और इस प्रकार के अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के बारे में भी बात की। भारत-इटली की दोस्ती ग्रह को बेहतर बनाने में बहुत योगदान दे सकती है।' इस बैठक के बाद विदेश मंत्रालय ने भी पोस्ट किया। विदेश मंत्रालय ने कहा, "रणनीतिक साझेदारी मजबूत हो रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रियो में जी20 ब्राजील शिखर सम्मेलन के इतर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की।'

मोदी ने शेयर की तस्वीर

विदेश मंत्रालय ने कि दोनों नेताओं ने दीर्घकालिक भारत-इटली द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने व इसमें गति प्रदान करने के लिए भारत-इटली संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-29 का स्वागत किया।

एलन मस्क की SpaceX ने लॉन्च किया ISRO का सैटेलाइट

GSAT-N2: भारत में आधी रात से बदल गई इंटरनेट-ब्रॉडबैंड की दुनिया!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्पेस एक्स ने मंगलवार को फ्लोरिडा के कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के संचार उपग्रह जीसैट-एन2 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इस उन्नत संचार उपग्रह को स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट का उपयोग करके लॉन्च किया गया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की वाणिज्यिक शाखा न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राधाकृष्णन दुरईराज के अनुसार, जीसैट एन2 या जीसैट 20 को सटीक कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। जीसैट-एन2 एक संचार उपग्रह है जिसे इसरो के सैटेलाइट सेंटर और लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। 48 जीबीपीएस डेटा ट्रांसमिशन क्षमता वाला यह हाई-थ्रूपुट उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं को बढ़ाएगा और देश भर में इन-फ्लाइट कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

14 सालों तक लगातार काम करता रहेगा

यह संचार उपग्रहों की जीसैट श्रृंखला को जारी रखेगा और भारत के स्मार्ट सिटी मिशन के लिए आवश्यक संचार बुनियादी ढांचे में डेटा ट्रांसमिशन क्षमता को जोड़ेगा। उपग्रह के 14 वर्षों तक परिचालन में रहने की उम्मीद है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, "उपग्रह 32 उपयोगकर्ता बीम से सुसज्जित है, जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र पर 8 संकीर्ण स्पॉट बीम और शेष भारत पर 24 चौड़े स्पॉट बीम शामिल हैं। इन 32 बीमों को मुख्य भूमि भारत के भीतर स्थित हब स्टेशनों द्वारा समर्थित किया जाएगा। का-बैंड एचटीएस संचार पेलोड लगभग 48 जीबीपीएस का थ्रुपुट प्रदान करता है।"

इसरो ने ऐसे भारी उपग्रह प्रक्षेपणों के लिए फ्रांसीसी वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवा प्रदाता एरियनस्पेस को चुना है, हालांकि, कंपनी के पास वर्तमान में कोई भी परिचालन रॉकेट नहीं है, जिससे वह भारी पेलोड का प्रक्षेपण कर सके-जीसैट एन2 उपग्रह के मामले में 4,700 किलोग्राम। भारत का प्रक्षेपण यान, एलवीएम-3 भी 4,000 किलोग्राम तक का पेलोड ले जा सकता है। इसलिए, उपग्रह को लॉन्च करने के लिए स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट को चुना गया।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- »मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- »सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- »असाध्य घाव/शुगर के घाव
- »कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- »अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- »डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड़, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर देखें
jagrukjanta.net

राजधानी में दिखने लगी गुलाबी सर्दी, ठिठुरन बढ़ी, कई जगह छाया कोहरा

राजधानी जयपुर सहित प्रदेश में अब मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल गया है। जयपुर में अलसुबह गलन जैसी सर्दी का अहसास होने लगा है...

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर सहित प्रदेश में अब मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल गया है। सर्द हवाओं से सर्दी का जोर बढ़ने से लोग कांपने लगे हैं। आज अलसुबह राजधानी जयपुर में गलन भरी सर्दी पड़ने से लोग कांपते नजर आए। वहीं प्रदेश के पूर्वी जिलों में सर्दी का जोर बढ़ने से मौसम का मिजाज बदल रहा है। वहीं पूर्वी जिलों में कोहरा छाने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दिनों में तापमान गिरने से सर्दी का जोर और बढ़ेगा। उत्तरी से हवाएं चलने से प्रदेश में तीखी सर्दी का दौर शुरू होगा।

जानकारी के अनुसार, पहाड़ों पर हुई बर्फबारी के बाद राजस्थान के उत्तरी इलाकों में भी मौसम का मिजाज तेजी से बदल गया गया है। कई जिलों में पारा लगातार गिरने लगा है। इसके चलते दिन और रात के तापमान में कमी आने लगी है। इसके अलावा जयपुर, बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं मध्यम से घना कोहरा दर्ज किया गया। राज्य में अधिकतम तापमान बाड़मेर में 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस सिरोही में दर्ज किया गया। वहीं राज्य के अधिकांश भागों में हवा में आर्द्रता की औसत मात्रा 60 से 95 प्रतिशत के मध्य दर्ज की गई। वहीं राजधानी जयपुर में आज न्यूनतम तापमान 13 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। अधिकतम तापमान आज सवेरे 10 बजे 26 डिग्री रहा।

जयपुर में बढ़ा सर्दी का असर

राजधानी जयपुर में भी धीरे-धीरे सर्दी का असर बढ़ने लगा है। ग्रामीण क्षेत्र में सर्दी का असर अधिक है। आज जयपुर में अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में जयपुर शहर के तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और सर्दी बढ़ेगी।

मौसम विभाग ने दी घने कोहरे की चेतावनी

मौसम विभाग ने भी प्रदेश के कई इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है। श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर, चूरू, झुंझुनूं, बीकानेर में अगले तीन दिन घना कोहरा रहने की संभावना जताई है। वाहन चालकों को विशेष सावधान रहने की सलाह दी गई है। कोहरे से विजिबिलिटी पर असर पड़ेगा और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। जयपुर मौसम केंद्र की ओर से की गई भविष्यवाणी के अनुसार अगले 3 से 4 दिनों में प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान में कमी आएगी।

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** राजस्थान समेत उत्तर भारत में अब ठंड का अहसास होने लगा है। प्रदेश के कई जिलों में सोमवार को धुंध के साथ घना कोहरा छाया रहा। इस दौरान दृश्यता 500 से 200 मीटर तक रही। कई जिलों में ठंड बढ़ने के साथ प्रदूषण का स्तर भी बढ़ गया है। प्रदूषण के कारण कई जिलों में सोमवार हवा की गुणवत्ता भी प्रभावित रही। जहरीली हवा वाले शहरों में भिवाड़ी राजस्थान का सबसे प्रदूषित जिला रहा। यहां हवा में प्रदूषण का स्तर 400 एक्यूआई को पार कर गया। वहीं, जयपुर में भी 248 एक्यूआई दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने सीकर, चूरू समेत कई जिलों में अगले 3 दिन घना कोहरा रहने की संभावना जताई है। भिवाड़ी, चूरू और झुंझुनूं में एक्यूआई 400 पार दर्ज किया गया। प्रदूषण की मार सबसे ज्यादा शेखावाटी क्षेत्र प्रभावित रहा है। वहीं, राजस्थान के कुल 12 जिलों में मंगलवार को एक्यूआई 200 के पार दर्ज हुआ। वहीं, दक्षिणी राजस्थान में सबसे साफ हवा रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने गंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर, चूरू, झुंझुनू, बीकानेर में अगले तीन दिन घना कोहरा रहने की संभावना जताई है। वहीं, सोमवार को राजस्थान के सीकर और नीमकाथाना जिले केकई इलाकों में लगातार दूसरे दिन भी सुबह-सुबह कोहरा छाया हुआ है। श्रीमाधोपुर सहित आसपास के अंचल में घना कोहरा दिखाई दिया। वाहन चालकों को दिन में भी हेडलाइट जलानी पड़ी।

जागरूक खबरें

कलक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम कल

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए 21 नवंबर, 2024 (गुरुवार) को जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिला की जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यर्‍ म आयोजित होगा। जिला कलक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले जनसुनवाई कार्यर्‍ म में जिले के जनप्रतिनिधि एवं समस्त संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भाग लेंगे। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि जिलास्तरीय जनसुनवाई कार्यर्‍ म में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से मुख्य सचिव या प्रभारी सचिव भी जुड़ेंगे। जिले के सभी विभागों के अधिकारी जनसुनवाई में भाग लेकर आमजन की समस्याओं का निस्तारण करेंगे। इससे पहले गुरुवार को ही जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक प्रातः 10:30 बजे आयोजित की जायेगी।

रबी फसल के लिए प्रीमियम दर तय, 31 दिसंबर तक करा सकेंगे बीमा

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रीमियम दर तय कर दी है। रबी के लिए फसल बीमा करवाने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर है। ऋणी किसानों का बैंक स्वतः ही प्रीमियम काटकर बीमा कंपनी को भेज देगा। ग्राहक को नवीनतम गिरदावरी बैंक में 29 दिसंबर तक जमा करानी होगी ताकि सही फसल का बीमा काटा जा सके व क्लेम से वंचित न रहे।

बाधा दौड़ मे राघव गौतम, बेंगल रेस मे उत्सव शर्मा रहे प्रथम विजेता

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** मानसरोवर वी.टी. रोड स्तिथ किडजी स्कूल ने 14 नवंबर, बाल दिवस के उपलक्ष्य में अपने वार्षिक खेलकूद दिवस का आयोजन शहर के सिटी पार्क ग्राउंड में बड़े उत्साह के साथ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9 बजे खेलकूद आयोजक अभिनव अग्रवाल द्वारा किया गया। प्रधानाचार्या वर्षा अग्रवाल ने बताया की प्रमुख खेलकूद प्रतियोगिताएं 2 वर्ष से 7 वर्ष तक के बच्चों के मध्य आयोजित की गई। बाधा दौड़ रेस प्रतियोगिता में कंपटीशन टीम के राघव गौतम विजयी रहे।

मुख्यमंत्री नारी शक्ति कौशल सामर्थ्य योजना के तहत आयोजन

प्रशिक्षण कार्यशाला में महिलाएं एवं बालिकाएं सीख रही पेंटिंग की बारीकियां

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पंचायत समिति सांगानेर ग्रामीण के मोहनपुरा में मुख्यमंत्री नारी शक्ति कौशल सामर्थ्य योजना के तहत 6 दिवसीय बेसिक पेंटर कोर्स का आयोजन किया जा रहा है। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बालिकाओं एवं महिलाओं को दीवार तथा लकड़ी एवं लोहे पर कलर करना सिखाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला अधिकारिता विभाग की अनोखी पहल है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त बालिकाएं एवं महिलाएं रंग-रोगन का कार्य कर सकेगी। इस मौके पर डॉ. डोगीवाल ने बालिकाओं एवं महिलाओं को सशक्तिकरण की ओर अग्रसर होने हेतु उत्साहवर्धन किया साथ ही सभी को एक समूह के रूप में कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

सफाई कर्मचारी की बेटी को दिया 50 हजार कन्यादान व अन्य सामान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर के वार्ड 27 में 15 वर्ष से साफ सफाई कर रहे सफाई कर्मचारी किशनलाल की बेटी की शादी में व्यापार मंडल की ओर से लगभग 50000 रुपए नकद कन्यादान व अन्य समान दिया गया। इस अवसर पर विद्याधर नगर भाजपा मंडल अध्यक्ष ताराचंद शर्मा, मॉल रोड़ व्यापार मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह, महासचिव विनोद के साथ व्यापार मंडल के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हमारा लक्ष्य राजस्थान में विदेशी और घरेलू पर्यटकों की संख्या बढ़ाना है-दीया कुमारी

राज्य को 'फेवरेट लीज़र डेस्टिनेशन इन इंडिया' और 'फेवरेट इंडियन स्टेट फॉर रोड ट्रिप्स' पुरस्कार से नवाजा गया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान पर्यटन को कॉन्डे नेस्ट ट्रैवलर रीडर्स ट्रैवल अवार्ड्स के दौरान दो प्रतिष्ठित श्रेणियों में पुरस्कार दिया गया है। राज्य को 'फेवरेट लीज़र डेस्टिनेशन इन इंडिया' और 'फेवरेट इंडियन स्टेट फॉर रोड ट्रिप्स' पुरस्कार से नवाजा गया है। 'फेवरेट इंडियन स्टेट फॉर रोड ट्रिप्स' का अवार्ड राजस्थान को मिला है। जबकि फेवरेट लीज़र डेस्टिनेशन इन इंडिया' का रनरअप अवार्ड उदयपुर को मिला है।

पुरस्कार मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि राजस्थान को दो अलग-अलग श्रेणियों में प्रतिष्ठित कॉन्डे नास्ट ट्रैवलर रीडर्स ट्रैवल अवार्ड्स 2024 प्रदान किया गया है। हमारा लक्ष्य राजस्थान में विदेशी और घरेलू पर्यटकों की संख्या बढ़ाना है। पर्यटन विभाग के सचिव रवि जैन ने इन पुरस्कारों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कॉन्डे नेस्ट ट्रैवलर रीडर्स ट्रैवल अवार्ड्स हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में एक बेंचमार्क स्थापित करता है। यात्रियों द्वारा चुने गए, ये पुरस्कार दर्शाते हैं कि राजस्थान वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन है। जैन ने कहा कि राजस्थान पर्यटन को मिलने वाले पुरस्कार, प्रदेश पर्यटन के ध्येय वाक्य पधारो म्हारे देश को चरितार्थ करते हैं।

जनवरी से सितम्बर तकः-

16817114 देशी व 875940 विदेशी पर्यटकों ने घूमा जयपुर, जोधपुर व उदयपुर– इस साल जनवरी से लेकर सितम्बर तक जयपुर, जोधपुर व उदयपुर घूमने आने वाले घरेलु पर्यटकों की संख्या एक करोड के पार जा चुकी है। बीते आठ महीने में 16817114 देशी पर्यटक राजस्थान के इन तीन जिले में पहुंचे। वहीं इन तीनों जिलों में विदेशी सैलानियों की संख्या आठ लाख के पार पहुंची, 875940 विदेशी पावणे जयपुर, जोधपुर व उदयपुर पहुंचे। राजस्थान में पर्यटन की दृष्टि से प्रमुख जिलों जैसे जयपुर, जोधपुर व उदयपुर में घरेलू व विदेशी पर्यटकों की संख्या से अंदाजा लगाया जा सकता है कि राजस्थान पर्यटन देसी-विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद है। इस साल जनवरी से लेकर सितम्बर तक जयपुर जिले में 8869703 घरे़लू पर्यटक आए वही विदेशी मेहमानों की संख्या 413401 रही। जोधपुर जिले में देश से 1786619 सैलानी आए वहीं विदेशी सैलानियों की संख्या 133806 रही। उदयपुर में 6160792 देशी पर्यटकों ने घूमा वहीं यहां आने वाले विदेशी पावणों की संख्या 328733 रही।

जयपुर पर्यटक

	ग्रामीण		शहर	
महीना	घरेलू	विदेशी	घरेलू	विदेशी
जनवरी	243500	454	997066	70691
फरवरी	223000	431	820281	96489
मार्च	271500	345	1132417	82657
अप्रेल	923000	0	599764	39835
मई	107000	53	399499	18533
जून	13000	40	508835	11779
जुलाई	281500	36	684395	22148
अगस्त	196000	50	647472	34347
सितम्बर	202000	17	619474	35496

पर्यटक जोधपुर

जनवरी	12400	280	293103	23508
फरवरी	15700	438	204282	29231
मार्च	15100	465	180642	29803
अप्रेल	14350	212	102936	11389
मई	13500	107	97796	3869
जून	12700	31	101513	1803
जुलाई	29900	106	110769	6246
अगस्त	32200	194	196379	15504
सितम्बर	194600	0	158749	10620

पर्यटक उदयपुर

जनवरी	953343	60251
फरवरी	600301	48329
मार्च	678454	51495
अप्रेल	431603	26531
मई	547663	26205
जून	577978	24803
जुलाई	697134	26556
अगस्त	808921	31816

आरपीएफ की मेरी सहेली सेल चुनिंदा ट्रेनों तक ही सीमित

महिला, युवतियों की नहीं हो पा रही 'सहेली'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ट्रेन में अकेले सफर करने वाली युवतियों और महिलाओं की सुरक्षा और सहायता के लिए आरपीएफ (रेलवे पुलिस फोर्स) की मेरी सहेली सेल पूरी तरह से मददगार साबित नहीं हो पा रही है।

कारण कि महज दस फीसदी ट्रेनें की इसमें शामिल की गई है। ऐसे में यह योजना ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रही है। दरअसल, ट्रेनों में अकेले सफर करने वाली महिला और युवतियों को कई बार परेशानियों से गुजरना पड़ता है। जिसे वे कई बार साझा नहीं कर पाती है। इस तरह की परेशानियों के समाधान के लिए रेलवे बोर्ड ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में मेरी सहेली की शुरुआत की थी। जो वर्तमान में भी चल रही है, लेकिन इस योजना का पूरी तरह से महिलाओं का लाभ नहीं मिल पा रही है। कारण कि इस सेवा के तहत उत्तर पश्चिम रेलवे में जयपुर, जोधपुर, अजमेर, बीकानेर, लालगढ़ व हिसार स्टेशन पर महज 1-1 टीम ही तैनात की गई है। जो उनकी मदद और सहायता के लिए तैनात रहती है। चौंकाने वाली बात है कि, सीकर, जैसलमेर, बाड़मेर, उदयपुर, रेवाड़ी समेत कई बड़े रेलवे स्टेशन है। जहां आरपीएफ चौकी भी और यात्रीभार भी अधिक है। उसके बावजूद भी टीम तैनात नहीं की गई है।

आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि अकेले सफर करने वाली युवती और महिलाओं की सूची रेल प्रहरी ऐप के माध्यम से रेलवे आरपीएफ को उपलब्ध करवाता है। उसमें महिला का ट्रेन, कोच, सीट नंबर होता है। जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर पहुंचती है तो, मेरी सहेली टीम यात्री से संपर्क करती है और उसे किसी भी प्रकार की मदद या समस्या के बारे में पूछती है। हालांकि ज्यादातर महिलाएं शिकायत नहीं करती है, कुछ महिलाएं सीट बदलने की मांग करती हैं, तो कई दूसरे यात्री की शिकायत करती है। जिसका समाधान करवा दिया जाता है।

200 से ज्यादा ट्रेनों की आवाजाही

रेलवे अधिकारियों के अनुसार मेरी सहेली योजना में उत्तर पश्चिम रेलवे जोन से शुरू होने वाली 16 ट्रेन व क्षेत्राधिकार में गुजरने वाली 37 ट्रेनें इसमें शामिल की गई है। इनमें जयपुर मंडल में 15, अजमेर में 12, जोधपुर व बीकानेर मंडल में 5-5 ट्रेनें कवर हो रही है। चौंकाने वाली बात है कि उत्तर पश्चिम रेलवे जोन में 500 से ज्यादा ट्रेनें संचालित होती है, लेकिन यह सुविधा नाममात्र ही ट्रेनों में मिल रही है। अकेले जयपुर से रोजाना 200 से ज्यादा ट्रेनें आवाजाही करती है, लेकिन महज ही 15 ही ट्रेनें इसमें शामिल है।

हेल्पलाइन नंबर पर मांग रही मदद

पड़ताल में सामने आया कि, जो ट्रेनें मेरी सहेली योजना के अंतर्गत शामिल नहीं है। उनमें सफर करने वाली महिलाएं, युवतियां मदद के लिए रेल मदद, अन्य सोशल साइट्स व 139 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करवा रही है।

अधिकारियों का तर्क

आरपीएफ अधिकारियों का कहना है कि स्टेशन से गुजरने वाली प्रत्येक ट्रेन पर नजर रखी जाती है। महिलाओं का फीडबैक लेते रहते हैं। प्लेटफार्म पर महिला स्टाफ भी तैनात रहता है। कई ट्रेनों में भी स्टाफ रहता है। यदि किसी महिला को कोई दिक्कत हो तो वे मदद मांग सकती है या रेलमदद, हेल्पलाइन के जरिये भी शिकायत पहुंचाती है।

पीडब्ल्यूडी की समीक्षा बैठकः कामों को गति देने और निरीक्षण के लिए फिल्ड में रहने के निर्देश

प्रदेश की डेमेज सड़को को विश्वस्तरीय बनाना हमारी प्राथमिकता है - उपमुख्यमंत्री, दीया कुमारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि प्रदेश में नई सड़कों के साथ डेमेज सड़को को भी विश्व स्तरीय बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होनें कहा की अधिकारी यह तय कर ले की अगले एक वर्ष में हम मौजूदा नोन पेचेबल और परमानेंट टूटी सड़कों को ठीक करवाकर उन्हें विश्व स्तरीय बनायेगे। उन्होंने कहा यदि हम सब ने मिलकर इस काम को शत प्रतिशत सफल कर दिया तो यह आम जन के लिए बहुत बडी साहूलियत होगी। उपमुख्यमंत्री मंगलवार को निर्माण भवन में आयोजित सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थी।

नियमित फिल्ड विजिट करें

उन्होंने कहा कि नीचे से लेकर उपर तक के सभी अधिकारी पूरा फोकस सड़कों की गुणवत्ता पर केद्रिंत करें। इसके लिए नियमित फिल्ड विजिट कर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करें और यदि कही कमी पाई जाती है तो उस पर कठोर एक्शन ले । उन्होंने कहा कि जब मैं स्वयं और उच्च अधिकारी फिल्ड में जा सकते है तो अन्य अधिकारी फिल्ड में क्यों नही जा रहे है। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित फिल्ड विजिट करेंगे और साप्ताहिक रिपोट प्रस्तुत करेंगे।

काम की गति बढाये, इंटर डिपार्टमेंटल मुद्दो के समाधान के लिए नियमित बैठक करें

उपमुख्यमंत्री ने बजट घोषणाओं, एनएचएआई, आरएसआरडीसी, आरएसएचए, सीआरआईएफ सहित विभिन्न प्रोजेक्ट्स की गति बढ़ाने और कार्यों को समय पर पूरा करवाने के निर्देश दिए। उन्होनें कहा कि यदि इंटर डिपार्टमेंटल मुद्दो की वजह से प्रोजेक्टस को पूरा करने में समय लग रहा है तो विभाग के सम्बंधित अधिकारी अन्य विभागों के साथ नियमित वार्ता करके उन प्रकरणों का निस्तारण करवायें ताकि आमजन को प्रोजेक्टस का समय पर लाभ मिल सके।

सेवा ऐप से गुणवत्ता सुधरी

उपमुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी सेवा ऐप लॉचिंग के बाद सड़कों की गुणवत्ता में हुए सुधार की सराहना करते हुए कहा की हमें इस ऐप को शत प्रतिशत रूप से प्रभावी बनाना है। गौरतलब है कि इस ऐप पर निरीक्षण करने वाले अधिकारी सड़क की गुणवत्ता खराब पाई जाने पर उस की रियल टाईम फोटो अपलोड करते है और सवेंदको को सुधार के लिए दिए गए दिशा निर्देशों के अनुरूप सुधार करके सुधारे गए काम की फोटो अपलोड करनी होती है। इस दौरान जयपुर रिंग रोड, ग्रीन फिल्ड एक्सप्रेस वे, अजमेर रोड, खाटू श्याम जी मंदिर रिंग रोड सहित विभिन्न प्रोजेक्टस की प्रगति की भी समीक्षा की।इस दौरान राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार, प्रमुख शासन सचिव श्री प्रवीण गुप्ता, सचिव श्री डी आर मेघवाल, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव श्री टीसी गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

जागरूक खबरें

विधान सभा में खिलाड़ियों का होगा सम्मान

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** यूरेशियन कूडो कप, 2024 अरमिनिया में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले राजस्थान के खिलाडियों का मंगलवार को विधान सभा में सम्मान होगा। कार्यक्रम में खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, खेल राज्यमंत्री के. के. विश्नोई के आतिथ्य में सम्मान होगा। राज्य के नौ खिलाडियों ने इस अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में एक स्वर्ण, दो रजत और एक कास्य पदक जीता है।

अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि, जेंडर के अतिरिक्त प्रविष्टियों में संशोधन का अवसर

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अभियोजन अधिकारी-गृह विभाग (अभियोजन) प्रारंभिक प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 19 जनवरी 2025 को करवाया जाना प्रस्तावित है। आयोग द्वारा अभ्यर्थियों को इस परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित शर्तों अनुसार 20 नवंबर से 26 नवंबर 2024 तक अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि व जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन करने का अवसर दिया जा रहा है। आयोग सचिव ने बताया कि ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों के हितार्थ सुविधा मात्र है। परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित पात्रता की शर्तों के अनुरूप ही संशोधन मान्य होंगे। विज्ञापन की शर्तें पूर्वानुसार ही रहेंगीं।

709 हैक्टेयर से अधिक के 303 माइनर मिनरल ब्लॉकों की सफल नीलामी

मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में राजस्थान देश में पहले पायदान पर

प्रीमियम के रुप में राज्य सरकार को मिलेगा 374 करोड़ का राजस्व

माइनर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी का भी बनेगा नया रिकार्ड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया है कि राज्य में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 13 नवंबर, 2024 तक 303 माइनर मिनरल ब्लॉकों की सफल ई-नीलामी की जा चुकी है। इससे राज्य सरकार को प्रीमियम के रुप में तीन किश्तों में 374 करोड़ 98 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त होगा। प्रीमियम की 40 प्रतिशत की पहली किश्त के रूप में राज्य सरकार को 149 करोड़ 99 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री व खान मंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में भारत सरकार के ई पोर्टल पर 34 मेजर मिनरल ब्लॉकों की सफल नीलामी कर राजस्थान समूचे देश में पहले स्थान पर आ चुका है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशन में विभाग द्वारा मेजर और माइनर मिनरल के अधिक से अधिक ब्लॉक तैयार कर ऑक्शन करने पर बल दिया जा रहा है ताकि अवैध खनन पर रोक और वैध खनन को बढ़ावा देकर राजस्व व रोजगार में बढ़ोतरी हो सके। रविकान्त ने बताया कि माइनर मिनरल्स में मार्बल, ग्रेनाइट, सेण्ड स्टोन, सोप स्टोन, केल्साइट, क्ले, रेड ऑकर, क्वार्टस-फेल्सपार आदि आदि मिनरल आते हैं। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में 709 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल के 303 ब्लॉकों का सफल ऑक्शन भारत सरकार के ई-पोर्टल के माध्यम से किया जा चुका है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट

पहली बार 25 देश राइजिंग राजस्थान में होंगे शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में होने वाले इन्वेस्टमेंट ग्लोबल समिट में पहली बार 25 देशों की भागीदारी होगी। इन सभी देशों ने समिट में आने की स्वीकृति दे दी है। इनमे कई मंत्री, राजदूत और बड़े व्यापारिक संगठन आएंगे। इससे इन देशों से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ा निवेश आने के राह आसान हो गई है। प्रदेश के उद्योगपति और बड़े व्यापारियों के लिए आयात निर्यात का दायरा भी फैलेगा। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री स्तर पर इन्हें आमंत्रित किया गया है और विदेश मंत्रालय भी लगातार संपर्क में है।

ये देश होंगे शामिल

जापान, डेनमार्क, मलेशिया, स्पेन, द. कोरिया, यूके, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, क्यूबा, इजिप्ट, फिनलैंड, यूएसए, जर्मनी, हंगरी, नीदरलैंड्स, नामीबिया, यूएई, पोलैंड, कतर, रूस, सिंगापुर, मोरक्को, अर्जेंटीना, कोस्टारिका, नेपाल।

25 देशों ने मंजूरी दे दी है। अन्य देशों से भी बातचीत कर रहे हैं। इससे प्रदेश के उद्योगपति, व्यवसायियों में आयात-निर्यात का दायरा भी बढ़ेगा।
अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव, उद्योग विभाग

एमओयू का गणित

18 लाख करोड़ के हुए एमओयू अब तक।
03 लाख करोड़ के एमओयू अकेले यूएई ने किए।
70% निवेश ऊर्जा क्षेत्र में होगा कुल एमओयू में से।
08 देशों में उद्योगपति- निवेशकों से मिलने गए मुख्यमंत्री और मंत्री।
21 नई पॉलिसी होगी लांच जिससे निवेशक आसानी से निवेश कर पाएं।

जयपुर का 297वां स्थापना दिवस, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दीपदान एवं रौशनी कार्यक्रम में भाग लिया

विश्व धरोहर जयपुर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ नियोजित शहरों में से एक - उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर शहर के 297वें स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि जयपुर की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षण प्रदान करने के साथ ही यहाँ आधुनिक विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर के परकोटे में सौ करोड़ के विकास कार्य करवाये जा रहें हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने स्थापना दिवस के उपलक्ष में नगर निगम ग्रेटर जयपुर की ओर से स्टेचू सर्किल पर आयोजित दीपदान एवं रौशनी कार्यक्रम जयपुर वासियों को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए कहा कि जयपुर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ और नियोजित शहरों में से एक है। यह युनेस्को की विश्वधरोहर में शामिल है। यह एक ऐसा शहर है जिसकी स्थापना सवाई जयसिंह द्वितीय के द्वारा 18 नवम्बर 1727 में पूर्ण वैज्ञानिक तरीके से तथा वास्तुशास्त्र के आधार पर की गई है। इस शानदार और अद्धभुत शहर का वास्तु नियोजन विद्याधर भट्टाचार्य ने किया। सवाई जयसिंह द्वितीय खगोलशास्त्र में निपुण थे। जयपुर में जंतर मंतर की स्थपना किया जाना इसका बेहतरीन उदाहरण है। जयपुर की स्थापना के 300 साल पूरे होने वाले हैं। यहाँ की चौड़ी सड़के जिन पर आज भी सुगमता से परिवहन होता है। यहाँ के ड्रेनेज़ सिस्टम, जो आज भी प्राभवी तरीके से काम कर रहा है। जयपुर का हवा महल, सिटी पैलेस, बाजार, चौराहे, मंदिर सभी शानदार और आधुनिक नगर नियोजन के बेहतरीन उदाहरण हैं। दुनिया भर से शोध करने वाले जयपुर के नगर नियोजन पर शोध करते हैं। हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। सब जयपुर के नगर नियोजन के देख अचंभित हो जाते हैं, अचरज में पड़ जाते हैं। जयपुर विश्व धरोहर है यह गर्व की बात है। जयपुर विश्व पर्यटन मानचित्र में विशेष स्थान रखता है यह गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आज हम इस सुनियोजित शहर के बनने से संवरने के 297 वर्षो के सफर का उत्सव मना रहे हैं यह गर्व और खुशी की बात है। दिया कुमारी ने आयोजन की विधिवत शुरुआत नगर निगम ग्रेटर जयपुर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के साथ दीप प्रज्जवलित करके की। इस अवसर पर लोक कलाकारों द्वारा ढोल, नंगाड़े, शहनाई वादन, कच्छी घोड़ी नृत्य सहित गायन और लोक नृत्यों कि शानदार प्रस्तुतियां दी। जयपुर स्थापना के इस आयोजन में सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश नंदिनी,पार्षदगण और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

निवेश को पंख की तैयारी : राज्य सरकार को होगी राजस्व प्राप्ति

गोल्ड, तांबे समेत कई खानें होंगी नीलामी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। देश में कीमती खनिज की खानों की नीलामी में पहले नंबर पर चल रहे राजस्थान में जल्द गोल्ड, तांबा, सिलिसियस अर्थ व लाइम स्टोन की खानों की नीलामी और की जा रही है। राजस्थान अभी कीमती धातुओं की 86 खानों की नीलामी कर पहले नंबर पर चल रहा है। इन खानों से प्रदेश सरकार को 50 साल में 2.65 लाख करोड़ की आय होगी। बताया जा रहा है कि 20 और खानों की नीलामी से भी 50 साल में सरकार को लगभग 1 लाख करोड़ रुपए का और राजस्व मिलेगा। इससे निवेश को पंख लगेंगे।

राजस्थान में 82 प्रकार के खनिज मौजूद हैं। इनमें से अभी 57 प्रकार के खनिजों का खनन हो रहा है। देश में प्रधान खनिजों की नीलामी की प्रक्रिया 2016-17 से चल रही है। पहले साल प्रदेश में मात्र 3 खानों की नीलामी हो सकी।

यह दौर वर्ष 2022-23 तक धीमा रहा, लेकिन 2023-24 से तेजी आई है। चालू वर्ष में 32 माइनिंग लीज और कंपोजिट लाइसेंस की नीलामी कर रेकॉर्ड 86 खानों की नीलामी हो चुकी है। अब 20 और खानों की नीलामी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पहले चरण की जिन 86 खानों की नीलामी की गई है, इनमें 72 खानों में मिनरल की खोज खान विभाग के स्तर, 12 में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण और 2 में खनिज अन्वेषण निगम लिमिटेड की ओर से की गई थी।

और 122 खनिज ब्लॉक किए जा रहे चिह्नित

प्रदेश में आगामी दिनों में कीमती मिनरल के 122 ब्लॉक चिह्नित किए जा रहे हैं। जिन ब्लॉक के कंपोजिट लाइसेंस दिए जाएंगे वे पहले खनिज खोज करेंगे, उसके बाद खनन कर सकेंगे।

मेजर मिनरल खान नीलामी में राजस्थान पहले और मध्य प्रदेश तीसरे नंबर पर

नागौर में 39, ब्यावर में 11, जैसलमेर 6, बांसवाड़ा में 5, सीकर, करौली और चित्तौड़गढ़ में 4- 4, उदयपुर और भीलवाड़ा में तीन-तीन, झुंझुनूं और जयपुर में 2-2, कोटा, राजसमंद और बाड़मेर में एक-एक।

20 खानों की नीलामी में 1 गोल्ड की भी

खान विभाग ने 20 खानों की नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी है, इनमें 17 माइनिंग लीज और 3 कंपोजिट लाइसेंस ब्लॉक दिए जाएंगे। यह खानें गोल्ड, कॉपर, मैगनीज, लाइमस्टोन और सिलीकोसिस अर्थ की हैं।

86 खानें इन जिलों में हुईं नीलाम

देश में मेजर मिनरल खानों की नीलामी में राजस्थान पहले नंबर पर है। प्रदेश में अब तक 86 खानें 19260 हेक्टेयर क्षेत्र में नीलामी से आवंटित की गई हैं। जबकि मध्य प्रदेश में नीलामी से 75 खानें 14786 हेक्टेयर क्षेत्र में दी गई हैं। ओडिशा तीसरे नंबर पर है, जहां 48 खानें 12600 हेक्टेयर क्षेत्र में दी गई हैं।

सम्पादकीय

मुनासिब मांग

सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों एक याचिका दाखिल कर पीएम जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग की गई। यह बिल्कुल ठीक है कि ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। साथ ही, पारंपरिक चिकित्सा को भी बढ़ावा मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। PM-JAY या आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। लगभग 55 करोड़ लोग इसके दायरे में आते हैं। लेकिन एक बड़ी आबादी अब भी इसके लाभ से छूटी हुई है। पारंपरिक चिकित्सा और भी लोगों को जोड़ सकती है। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती हैं। इसके लिए ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है। इससे न सरकार पर ज्यादा बोझ आएगा और न जनता पर, बल्कि स्वास्थ्य बीमा का विस्तार होने से देश की कुल चिकित्सा लागत में कमी ही आएगी। सोशल सिक्यॉरिटी को बढ़ावा मिलेगा। देश में लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में non-communicable diseases से हर साल लगभग 58 लाख लोगों की मौत होती है। इनसे बचाव में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति कारगर साबित हो सकती है। केंद्र ने कुछ अरसा पहले ही PM-JAY में 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को भी शामिल करने की मंजूरी दी थी। पारंपरिक चिकित्सा बढ़ती बुजुर्ग आबादी की जरूरतों को भी बेहतर तरीके से पूरा कर सकती है। आयुर्वेद पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इजाफा हुआ है। बाजार के लिहाज से देखें, तो इसकी ग्रोथ रेट 15% से अधिक है। साल 2014 में आयुष का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 2.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 2020 में बढ़कर 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। अमेरिका और यूरोप समेत 100 से अधिक देशों में भारत के हर्बल प्रॉडक्ट पहुंच रहे हैं। आयुष्मान भारत के तहत इसे लाने से इसमें और तेजी आएगी। मांग बढ़ेगी तो जाहिर है कि उत्पादन भी बढ़ाना होगा। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बनेंगे। पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए सरकार काम कर रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के साथ मिलकर यह भी देखा जा रहा है कि किस तरह से भारत का पारंपरिक ज्ञान दुनिया को सेहतमंद रखने में योगदान दे सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर पीएम जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को शामिल करने की मांग की गई है। याचिका में तर्क दिया गया है कि इससे सस्ती स्वास्थ्य सेवा सुलभ होगी और आयुर्वेद जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा।

ट्रंप की शानदार जीत से निकला पहला सबक है सफल अभियान के लिए तीन स्तंभों का फॉर्मूला। उसे राष्ट्रवाद, विजयवाद और अविश्वास का नाम देते हैं। यह कैसे काम करता है, यह जानने के लिए मागा यानी 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (अमेरिका को दोबारा महान बनाएं) की अवधारणा पर विचार कीजिए।

ट्रंप, मोदी, राहुल और चुनाव का फॉर्मूला तीन

» जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नगेन्द्र वशिष्ठ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

चुनावी लोकतंत्र में कैसे काम होता है उसका एक तरीका अब तय हो चुका है। अन्य देशों में भी किसी न किसी तरह यही हावी है क्योंकि राष्ट्रीय गौरव, संस्कृति और पहचान की बातें आर्थिक सरोकारों पर हावी हो जाती हैं।

चुनावी जीत का फॉर्मूला तीन स्तंभों पर टिका है और सफल प्रचार अभियान को उन पर आधारित होना चाहिए। ट्रंप ने इस पर अमल किया। मोदी ने भी 2014 और 2019 में ऐसा किया मगर 2024 में नहीं। अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप की जीत हमें क्या बताती है कि नेता ऐसा क्या करते हैं कि वे जीत जाते हैं, हारते हैं या फीकी जीत दर्ज कर पाते हैं। ट्रंप इस बार जीते हैं, राहुल अक्सर हारते रहते हैं और मोदी ने इस बार जून में फीकी जीत हासिल की। तीनों के बारे में सोचिए। ट्रंप की शानदार जीत से निकला पहला सबक है सफल अभियान के लिए तीन स्तंभों का फॉर्मूला। उसे राष्ट्रवाद, विजयवाद और अविश्वास का नाम देते हैं। यह कैसे काम करता है, यह जानने के लिए मागा यानी 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (अमेरिका को दोबारा महान बनाएं) की अवधारणा पर विचार कीजिए। यानी अमेरिका अभी जितना महान है, उससे अधिक महान बनाने की कोशिश ही राष्ट्रवाद है यानी उसे दोबारा महान बनाया जाएगा। उसे उस स्थिति में लाने, जब वह शीर्ष पर था की बात विजयवाद है। जंग शुरू होने से पहले ही जीत का ऐलान कर दीजिए।

अगर आप दलील देंगे कि अमेरिका पहले से महान था और उसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और उसका जीडीपी जो 2008 में यूरो क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद का 50 फीसदी था अब उसके दोगुना हो गया है, उसके शेयरों में तेजी आ रही है, प्रौद्योगिकी और नवाचार में वह दुनिया का नेतृत्व करता है तो मैं आपको बताता हूं अविश्वास क्या है। चुनावी राष्ट्रवाद में मेरा देश तब तक ठीक से महान नहीं होता, जब तक मैं उसकी बागडोर नहीं संभालता। मेरे संभालते ही वह बहुत बेहतर हो जाएगा। भारत की बात करें तो हम देख सकते हैं कि राहुल गांधी 2014 और 2019 में बुरी तरह क्यों हारे और मोदी ने शानदार प्रदर्शन क्यों किया। उसके बाद अचानक क्या हुआ, जो 2024 में मोदी अपनी ही नहीं बाजार और चुनाव विश्लेषकों की अपेक्षाओं से भी पिछड़ गए? 240 सीटें उनके लिए निराशाजनक था। दूसरे को चित करने का आदी अगर अंकों के आधार पर जीते तो जीत को खराब ही माना जाएगा। यह क्यों हुआ?

हमारे द्वारा तय तीन बिंदुओं - राष्ट्रवाद, विजयवाद और अविश्वास की कसौटी पर कांग्रेस और राहुल गांधी की

कसना आसान होगा। 2014 में राहुल ऐसी पार्टी के लिए प्रचार अभियान का नेतृत्व कर रहे थे जो एक दशक से सत्ता में थी। परंतु उनके प्रचार अभियान में शायद ही कभी सरकार की उपलब्धियों का बखान किया गया। क्या उनकी पार्टी ने एक दशक के कार्यकाल में भारत को महान बनाया? और क्या अब वह उसे और अधिक महान बनाने जा रहे थे? क्या इस दशक ने भारत को सैन्य और कूटनीतिक दृष्टि से अधिक मजबूत तथा रणनीतिक दृष्टि से अधिक सुरक्षित, वैश्विक रूप से अधिक प्रभावशाली बनाया? क्या कांग्रेस / संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन ने भारत को उस 'गर्त' से बाहर निकाला जिसमें 'वाजपेयी' की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उसे छोड़ा था? ऐसा कुछ नहीं था, इसीलिए राष्ट्रवाद और विजयवाद का मुद्दा छूट गया। उनका अभियान ज्यादातर अमीर और गरीब, असमानता, भाजपा की सांप्रदायिकता, उनकी और उनकी पार्टी की गरीबों, वंचित जातियों और आदिवासियों के लिए चिंता पर केंद्रित रहा। राहुल और उनके समर्थक कह सकते थे कि वह सच के करीब रहे क्योंकि उनकी पार्टी के 10 साल के शासन के बाद भी गरीबी, असमानता और अभाव की स्थिति बनी रही। वे कह सकते थे कि इन हालात में वह जीत पर आधारित अभियान कैसे खड़ा कर सकते थे।

इसका जवाब हमारी तीन बिंदुओं वाली स्थापना के तीसरे हिस्से में है जो है- अविश्वास।

यह राजनीति है। आप मतदाताओं से बात कर रहे हैं या फिर कहें तो दो तरह के मतदाताओं से। मतदाताओं की एक किस्म वह है जो अनिर्णय में रहती है और आपमें तथा आपके प्रतिद्वंद्वी में बहुत अंतर न कर पाते हुए सभी विकल्पों पर विचार करती है। इससे भी महत्वपूर्ण होते हैं आपके वफादार मतदाता। उन्हें इतना प्रेरित करना जरूरी है कि उन्हें आपकी पार्टी की जीत का यकीन हो जाए और वे बड़ी संख्या में मतदान के लिए आएं। मतदाताओं का ध्रुवीकरण होने पर ये बातें ही तय करती हैं कि आपको बड़ी चुनावी जीत मिलेगी या सफाया होगा। 2019 में किसी को भी लग सकता था कि कांग्रेस मोदी के पांच साल के कार्यकाल की रिपोर्ट के साथ प्रचार में उतरेगी और दलील देगी कि उसने काफी बेहतर काम किया था और अगर भारत को उसी वैभव पर लाना है तो मतदाताओं को उसे ही वोट देना चाहिए। ऐसा कुछ नहीं हुआ। पूरा चुनाव मोदी सरकार के भ्रष्टाचार (चौकीदार चोर है), कुशासन, नाकाम नोटबंदी और सांप्रदायिकता के आरोपों पर लड़ा गया। पूरा प्रचार अभियान नकारात्मक था। ऐसा कुछ नहीं कहा गया कि कांग्रेस के शासन में भारत महान था और उसे दोबारा महान बनाने के लिए वोट दिया जाए। कह सकते हैं कि पुलवामा के बाद मोदी भावनाओं के ज्वार पर सवार थे, जिसने उनकी नाकामियों को ढक दिया। लेकिन हमें यह भी पूछना होगा कि क्या कांग्रेस के अभियान में कहीं राष्ट्रवाद था? जीत की उम्मीद रहने भी दें तो क्या कोई आशावाद भी था? इससे पहले 2014 में मोदी लगभग उन्हीं विचारों की लहर पर सवार होकर जीते थे, जिन्होंने 2024 में ट्रंप को जीत दिलाई। भारत के सुरक्षा और सशस्त्र बल कमजोर थे और दुनिया उन्हें गंभीरता से नहीं लेती थी। आए दिन आतंकी हमले होते थे और भारत एक थप्पड़ खाने के बाद चुपचाप अपना दूसरा गाल आगे कर देता था। ब्रिक्स में उसकी स्थिति कमजोर थी और मोदी भारत को दोबारा महान बनाने का वादा कर रहे थे। उसका 'सोने की चिड़िया' वाला अतीत का वैभव वापस दिलाना चाहते थे, चीन को लाल आंखें दिखाई जानी थीं और पाकिस्तान के लिए तो 56 इंच का सीना था ही।

ये सारी बातें इतनी हावी थीं और कांग्रेस अपने ही विरोधाभासों में इतनी फंसी थी कि वह नया जनादेश चाहती थी लेकिन पिछले दो कार्यकालों को याद नहीं कर रही थी। किसी ने उसे यह याद नहीं दिलाया कि भारत ने उससे पहले वाले दशक में 8 फीसदी की जीडीपी वृद्धि हासिल की थी या फिर उस अवधि में तमाम नए संस्थान बने थे। मोदी भला इन बातों का जिक्र क्यों करते? उन्हें तो कमियां निकालनी थीं। वह तो भारत को दोबारा महान बनाने वाले थे।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सामाजिक कुरीतियों की बेड़ी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आज़ादी के इतने वर्षों बाद भी हमारा समाज अंधविश्वास, पाखंड, और जातिवाद जैसी गहरी समस्याओं से जूझ रहा है। यह सच है कि हमने राजनीतिक स्वतंत्रता तो प्राप्त कर ली है, लेकिन मानसिक और सामाजिक गुलामी से पूरी तरह मुक्त होना अभी भी बाकी है। हमें असली आज़ादी तभी मिलेगी जब हम इन सामाजिक कुरीतियों से उबर पाएंगे।

जीवन प्रभा मेहता
स्तंभकार
@jagrukjanta.net

हमारा उद्देश्य: हमारा उद्देश्य एक ऐसा समाज बनाना है जहाँ समानता, न्याय, और बुनियादी मानवाधिकार का सम्मान हो। इसके लिए हमें शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाने की ज़रूरत है। केवल राजनीतिक आज़ादी से बदलाव संभव नहीं है; समाज की मानसिकता और सोच में परिवर्तन लाए बिना असल प्रगति अधूरी है। अंधविश्वास, पाखंड और जातिवाद जैसे मुद्दे हमारी सोच को संकीर्ण बनाते हैं और वास्तविक स्वतंत्रता का मार्ग अवरुद्ध करते हैं।

सशक्त जागरूक समाज : इन समस्याओं को समाप्त करने के लिए हमें एक सशक्त, जागरूक और समर्पित समाज की आवश्यकता है। ऐसा समाज, जो न केवल बाहरी स्वतंत्रता की बात करे बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वतंत्रता को भी महत्व दे। यह बदलाव केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; हमें व्यक्तिगत रूप से इन मुद्दों के खिलाफ आवाज़ उठानी होगी और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए अपनी भूमिका निभानी होगी। जब हर व्यक्ति जागरूक होकर इन कुरीतियों के खिलाफ खड़ा होगा, तभी हमारा देश सच्चे अर्थों में स्वतंत्र और उन्नत हो सकेगा। सच्ची स्वतंत्रता केवल बाहरी बंधनों से मुक्ति नहीं है; यह हमारी सोच, हमारी मान्यताओं और हमारे मूल्यों में बदलाव लाने की यात्रा है। जब तक हम अंधविश्वास, जातिवाद और पाखंड जैसी मानसिक गुलामी से बाहर नहीं निकलते, तब तक हमारा समाज प्रगति के मार्ग पर आगे नहीं बढ़ सकता।

असमानता और भेदभाव: इन कुरीतियों के कारण समाज में असमानता, भेदभाव और अत्याचार पनपते हैं, जो समाज की एकता और सामूहिक विकास को बाधित करते हैं। ऐसे में एक जागरूक समाज का निर्माण ही हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए, जहाँ हर व्यक्ति को समान अवसर मिले और उसकी आवाज को सम्मान मिले।

यह परिवर्तन लाने के लिए शिक्षा सबसे बड़ा साधन है। शिक्षा ही हमें सिखाती है कि सोच को कैसे विकसित करें, और अपने पूर्वाग्रहों को कैसे दूर करें। सही शिक्षा के माध्यम से हम अपने बच्चों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण दे सकते हैं, ताकि वे अंधविश्वास और पाखंड से मुक्त होकर एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकें।

जागरूकता अभियान: इसके साथ ही, जागरूकता अभियान और सामाजिक सुधार के प्रयास भी जरूरी हैं। हमें ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करना होगा, जो लोगों को समझाएं कि जाति, धर्म, या लिंग के आधार पर भेदभाव करना कितना अनुचित है। ये प्रयास छोटे-छोटे स्तर पर हों या बड़े, लेकिन उनका उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना होना चाहिए।

सिर्फ शब्दों में नहीं, बल्कि अपने कर्मों से भी हमें यह दिखाना होगा कि हम इन कुरीतियों के खिलाफ हैं। हर व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण है। जब हम अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करेंगे, खुद को और दूसरों को अंधविश्वास से मुक्त करने का प्रयास करेंगे, तब ही हम अपने देश को वास्तविक आज़ादी और प्रगति की ओर ले जा सकेंगे।

हमारा सपना एक ऐसा भारत है जो सभी तरह की गुलामी से मुक्त हो—चाहे वह बाहरी हो या आंतरिक, मानसिक हो या सामाजिक। जब हर व्यक्ति एक समान, न्यायपूर्ण और उदार समाज में जीने का हकदार बनेगा, तभी हम गर्व से कह पाएंगे कि हमने अपने देश को पूर्ण स्वतंत्रता दिलाई है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

जनकपुर उत्सव है भारी अपने वर का चयन करेगी सीता सुकुमारी

» जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर के चांदपोल बाजार में स्थित ठिकाना मंदिर श्री रामचंद्र जी में शुक्रवार 15 नवंबर से 8 दिवसीय श्री राम जानकी विवाह मंगल उत्सव शुरू हो गया है। यह उत्सव प्रतिदिन रामायण एवं मिथिला पद्धति के अनुसार विविध वैवाहिक प्रसंग के साथ मनाया जाएगा। महंत नरेंद्र तिवारी के अनुसार पिछले 95 साल से मंदिर में यह उत्सव मनाया जा रहा है। इसकी शुरुआत 95 साल पहले मंदिर में आने वाली भक्त जो काकीजी के नाम से जानी जाती थी ने की। महंत तिवारी के अनुसार काकीजी के स्वप्न में एक बच्ची आई और बोली मेरा ब्याह करवा दो। काकीजी राम सीता की अनन्य भक्त थी, तो प्रातः होते ही काकीजी ने मंदिर जाकर अपने सपने की चर्चा मंदिर परिवार के सदस्यों और भक्तों के साथ की और जैसा उन्होंने स्वप्न के अनुसार बताए रूप रंग और समय तिथि के अनुसार वो दिन राम जानकी विवाह का था।तो सबने मिलकर राम जानकी विवाह उत्सव मानना तय किया। तभी से यह उत्सव धूम धाम से मंदिर प्रांगण में मनाया जाता हैं। यहां अयोध्या और जनकपुर सहित अन्य शहरों से भी यात्री कार्तिक माह की

नविता
पत्रकार
@jagrukjanta.net

पूर्णिमा से शुरू होने वाले इस उत्सव को देखने आते हैं। यह विवाह उत्सव मंदिर के मुख्य उत्सवों में से एक है। कार्यक्रम की शुरुआत कार्तिक पूर्णिमा के दिन गणेश निमंत्रण से हुई,उसके बाद श्री राम का नगर दर्शन हुआ,तीसरे दिन याने 17 तारीख को पुष्प वाटिका प्रसंग धूमधाम से मनाया गया। चौथे दिन 18 को धनुष यज्ञ अवध में विवाह का निमंत्रण का कार्यक्रम हुआ, 5वें दिन 19 को श्री राम जानकी की तिलक और मेहंदी का कार्यक्रम संपन्न हुआ, छठें दिन 20 तारीख को शाम 7 बजे बारात पाणिग्रहण का कार्यक्रम होगा। 21 नवंबर को प्रातः 10 बजे परिछन, धान कुटाई और शाम 5 बजे कंगन खुलवाई, जुआ-जुंइ मिजवानी और विदाई होगी ।22 नवंबर को शाम 6 बजे अवध का आनंद पेसर उत्सव इस तरह से यह आठ दिवसीय विवाह उत्सव का कार्यक्रम चलेगा। भक्तगण में शामिल महिलाएं बधाई गीत भविष्य रामायण के पदों का गायन करती हैं। सारे रीति रिवाज से श्री राम जानकी विवाह उत्सव को प्रत्यक्ष देखना मां को उत्साह से भर देता है।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

गुणों और कर्मों द्वारा होने वाला जन्म-मृत्यु का यह चक्र आत्मा को शरीर और प्रकृति से पृथक न करने के कारण ही है। यह अज्ञान मूलक एवं मिथ्या है। फिर भी स्वप्न के समान जीव को इसकी प्रतीति होती है। ब्रह्म यानि परमात्मा का अंश है शुद्ध आत्मा। शुद्ध आत्मा में सत्व, रज, तम ये तीनों गुण हैं, किन्तु वह निर्लिप्त है। जीवात्मा तीनों गुणों से लिपायमान है। शुद्ध आत्मा को कोई देख नहीं सकता। जैसे पानी में नमक घोला हुआ हो तो आंखें नमक को देख नहीं सकती। एक बार आचार्य शंकर कहीं जा रहे थे। एक चाण्डाल मांस का भार लिए उधर से आ रहा था, उसने आचार्य शंकर को छू लिया। शंकर ने ज्योंही कहा-तूने मुझे छू लिया। चाण्डाल ब्रह्मज्ञानी था, वह बोला-महाराज न तुम्हें मैंने छुआ और न ही मुझे तुमने। तुम तो शुद्ध आत्मा हो-निर्लिप्त हो। यही शुद्ध आत्मा हमारा स्वरूप है। इसी स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करना और मन को उसी में लगाए रखना आत्मा को जानना है, यही ज्ञान है। अष्ट पाशों से बंधा हुआ आत्मा ही जीवात्मा है। मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार इन चारों के मेल से लिंग शरीर होता है। लिंग शरीर या सूक्ष्म शरीर या जीवात्मा ही शरीर के भीतर मैं' है। जब आत्मा देह इन्द्रिय प्राण और मन में स्थित होकर उनका अभिमान कर बैठता है उन्हें अपना स्वरूप मान लेता है, तब उसका नाम जीव हो जाता है। **क्रमशः**

ओपिनियन

अनुभव जन्य ज्ञान की अनदेखी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कौन कहता है कि परंपरा जनित ज्ञान अनुभव जन्य नहीं होता? क्या आज से दो-चार सौ साल से पहले भारत में लोग जीवित नहीं थे? कौन कहता है कि परंपरा जनित ज्ञान अनुभव जन्य नहीं होता? क्या आज से दो-चार सौ साल से पहले भारत में लोग जीवित नहीं थे? तब क्या यहां के लोगों का ज्ञान शून्य था? आखिर जब तक पश्चिम से कोई ज्ञान न मिले, तब तक हम अपने को छोटा क्यों समझते हैं? बचपन में मां टायफाइड हो जाने पर सौंफ और पुदीने को पानी में उबालकर पीने को देती थी। बहुत से पश्चिमी देशों में भी सौंफ और जीरे का पानी सद्य प्रसूता को पीने के लिए कहा जाता है। हल्दी और अदरक की औषधियों का प्रयोग आज एलोपैथिक डॉक्टर्स भी करते हैं। अक्सर अमेरिका से ऐसी खबरें आती रहती हैं कि वहां उन चीजों का पेटेंट कराया जा रहा है, जिनका इस्तेमाल भारत में सदियों से होता चला आ रहा है। विज्ञान भी अनुभव की बात ही तो करता है। क्लीनिकल ट्रायल इसी को कहते हैं। हमारा अनुभव जन्य ज्ञान ही तो है कि कौन-सी चीज किस चीज के साथ खानी है और किसके साथ नहीं? जैसे कि खीरा खाली पेट नहीं खाना चाहिए। उसके ऊपर पानी नहीं पीना चाहिए। दूध के साथ भी खीरे, ककड़ी, तरबूज, खरबूज का प्रयोग वर्जित है। ऐसी तमाम बातों को परंपरा से लोग जानते आए हैं। नाड़ी देखकर रोग बताने वाले अपने ही यहां रहे हैं, लेकिन आज हमें बताया जा रहा है कि हम लोग घोर अवैज्ञानिक दृष्टि वाले हैं। हमारे यहां की औषधियां, पारंपरिक चिकित्सा प्रविधियां सब बुढ़िया पुराण हैं, क्योंकि ये सब पश्चिम की वैज्ञानिक तुला पर खरी नहीं उतरी हैं। इस वैज्ञानिक सोच की लाठी में इतना दम है कि वह बिना किसी प्रमाण के अच्छी से अच्छी बात को खारिज कर देती है और कोई उफ भी नहीं करता। शायद इसीलिए गत दिवस मद्रास हाई कोर्ट ने कहा कि बहुत सी चीजें, जिन्हें आज खोजने का दावा किया जा रहा है, उनका हमारी संस्कृति में उल्लेख मिलता है। यह ठीक है कि पश्चिमी चिकित्सा पद्धति में तात्कालिक लाभ के लिए बहुत से इलाज मौजूद हैं, मगर इस बात में भी दो राय नहीं हैं कि बड़ी फार्मा कंपनियों का प्रमुख उद्देश्य मुनाफा कमाना ही होता है। वहां मुफ्त कुछ नहीं है। कोई कह सकता है कि कंपनी चलानी है तो मुनाफा तो कमाना ही होगा। कौन है जो मुनाफा कमाना नहीं चाहता? यह सब सच है, मगर प्राथमिक बात मुनाफे की होती है, उसे जनसेवा के फ्रेम में मढ़ा जाता है। इसीलिए आप देखेंगे कि इन दिनों कोई भी वह शोध, जो किसी रोग को जड़-मूल से नष्ट कर सकता है, वह होता ही नहीं, क्योंकि रोग का मतलब है, उससे जुड़ी दवाओं की बिक्री। आदमी एक बार बीमार पड़े और जिंदगी भर दवाएं ही खाता रहे तो ऐसी सोने की मुर्गी और कहां हाथ आ सकती है? अक्सर रोग को नष्ट करने वाले शोधों को पहले तो आर्थिक मदद ही नहीं मिलती। मिलती भी है तो वे चूहों तक आते-आते ही खत्म हो जाते हैं। दरअसल मेडिकल माफिया की दिलचस्पी उन दवाओं को बनाने में नहीं है, जिनसे रोगों को समूल नष्ट किया जा सके। डायबिटीज जैसे रोग को खत्म करने वाले शोधों को आगे नहीं बढने् दिया जाता, जो एक महामारी की तरह ही है।

प्रतिभा मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

(ये लेखक के अपने विचार है)

जागरूक जनता Selfie विद सिस्टर

वैदेही-दिशा डॉटर पंकज, बोरसद, गुजरात

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय
शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 20/11/2024

सूर्योदय : 06:54 **सूर्यास्त** : 17:30 **चन्द्रोदय** : 21:52 **चन्द्रास्त** : 11:18 **शक सम्वत** : 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना** : कार्तिक **पूर्णिमांत** : मार्गशीर्ष **सूर्य राशि** : वृश्चिक **चन्द्र राशि** : मिथुन **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : पंचमी, 16:56 तक **वार** : बुधवार**चन्द्रमास मार्गशीर्ष** : पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत** : 2081 पिङ्गल **कार्तिक** : अमान्त **गुजराती सम्वत** : 2081 नल **द्रिक ऋतु** : हेमंत

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पुनर्वसु, 14:52 तक
योग : शुभा, 13:04 तक
प्रथम करण : तैतिल, 16:56 तक
द्वितिय करण : गारा, 28:51 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:01 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:28 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	01:53 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:25 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:25 पी एम से
अमृत काल	12:27 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:40 पी एम से 12:34 ए एम, नवम्बर 21

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में

राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में

होमाहुति : मंगल, गुरू

चन्द्रवास : पश्चिम, उत्तर

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:53 - 08:13	उद्वेग : 17:29 - 19:10
अमृत	: 08:13 - 09:32	शुभ : 19:10 - 20:50
काल काल वेला	: 09:32 - 10:52	अमृत : 20:50 - 22:31
शुभ	: 10:52 - 12:11	चर : 22:31 - 00:11
रोग वार वेला	: 12:11 - 13:31	रोग : 00:11 - 01:52
उद्वेग	: 13:31 - 14:50	काल: 01:52 - 03:33
चर	: 14:50 - 16:09	लाभ : 03:33 - 05:13
लाभ	: 16:09 - 17:29	उद्वेग : 05:13 - 06:54

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज पंचमी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

कार्तिक, कृष्ण, पंचमी, 2081 बुधवार, 20 नवम्बर - 26 नवम्बर, 2024

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

वृषभ (ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, नू,या,यी,यू)
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन (क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह)
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे)
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क (हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर (भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,)
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

कुंभ (गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा)
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन (दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि)
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मुख्यमंत्री ने की 'राइजिंग राजस्थान' की समीक्षा : राज्य की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर बनाने के सफर में राइजिंग राजस्थान होगा महत्वपूर्ण पड़ाव

राज्य में संभावनाओं के नए द्वार खोलेगा राइजिंग राजस्थान-मुख्यमंत्री शर्मा

विकसित भारत-विकसित राजस्थान थीम पर आयोजित होगी प्रदर्शनी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था को अगले 5 सालों में 350 बिलियन डॉलर बनाने के सफर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। उन्होंने कहा कि 9 से 11 दिसम्बर को आयोजित होने वाला यह समिट राज्य में सम्भावनाओं के नए द्वार खोलेगा और राज्य को देश-दुनिया में निवेश के प्रमुख केन्द्र के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगा। शर्मा ने कहा कि इसमें होने वाले निवेश समझौतों से प्रदेश की हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति होगी और युवाओं के लिए भी रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ 9, 10 व 11 दिसम्बर को होने वाले विभिन्न आयोजनों, देश और विदेश से आने वाले अतिथियों के आगमन, उनके ठहरने तथा आयोजन स्थल से जुड़ी विभिन्न तैयारियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव उद्योग श्री अजिताभ शर्मा तथा शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति श्री रवि जैन ने अपने-अपने विभागों से जुड़ी तैयारियों के बारे में मुख्यमंत्री को विस्तार से जानकारी दी। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। राजधानी जयपुर सहित राज्य के सभी जिलों में प्रमुख स्थानों पर इससे संबंधित होर्डिंग्स एवं बैनर लगाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से सोशल मीडिया पर भी आयोजन का प्रमुखता से प्रचार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल की सजावट, अतिथियों की बैठक व्यवस्था तथा अन्य तैयारियों के विषय में जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोजन से जुड़ी छोटी से छोटी तैयारियों का एक विस्तृत रोड़ मैप तैयार कर उन्हें अन्तिम रूप दिया जाए।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, आयुक्त उद्योग एवं वाणिज्य रोहित गुप्ता, रीको प्रबंध निदेशक इन्द्रजीत सिंह, राजस्थान फाउंडेशन आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा, अतिरिक्त आयुक्त बीआईपी सौरभ स्वामी सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विकसित भारत-विकसित राजस्थान थीम पर प्रदर्शनी

बैठक में बताया गया कि समिट के दौरान विकसित भारत-विकसित राजस्थान थीम पर एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राजस्थान तथा समिट में भाग लेने वाले विभिन्न देशों के अलग-अलग जोन होंगे। राजस्थान जोन में प्रदेश के प्रमुख उद्योगों, खनिजों, पर्यटन स्थलों तथा कला-संस्कृति के बारे में एलईडी स्र्ीन, 3-डी प्रजेंटेशन तथा विभिन्न मॉडल्स के माध्यम से जानकारी दी जाएगी। साथ ही, राजस्थान में नए क्षेत्रों में औद्योगिक सम्भावनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जाएगी। प्रदर्शनी में वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के तहत जयपुर के सांगानेरी प्रिंट सहित अन्य जिलों के प्रमुख उत्पादों को दर्शाते हुए 3-डी तकनीक के माध्यम से राजस्थान के रमणीय एवं पर्यटन स्थलों के बारे में बताया जाएगा। शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति रवि जैन ने मुख्यमंत्री को 9 और 10 दिसम्बर को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। मुख्यमंत्री शर्मा ने निर्देश दिए कि कार्यक्रमों में राजस्थान की कला और संस्कृति की छाप नजर आए तथा स्थानीय लोक कलाकारों को इसमें विशेष प्राथमिकता दी जाए।

राष्ट्रीय सहकार सप्ताह के राज्यस्तरीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सहकारिता के माध्यम से ही समावेशी आर्थिक विकास संभव-सहकारिता राज्य मंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारिता समावेशी विकास का एक ऐसा मॉडल है जो जाति, वर्ग, रंग या भाषा के परे जाकर समाज के सभी वर्गों और समुदायों को उनकी आवश्यकताओं और स्थानीय संसाधनों के आधार पर विकास के अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता हमेशा सभी वर्गों के मध्य अवसरों में समानता को बढ़ावा देते हुए गरीबी को कम करने एवं रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी करने के लिये उपयुक्त प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है। इसलिये सहकारिता के माध्यम से समावेशी आर्थिक विकास संभव है। नेहरू सहकार भवन स्थित सभागार में राजस्थान सहकारी संघ द्वारा 71वें राष्ट्रीय सहकार सप्ताह के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में ''महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्गों के लिये सहकारिता'' विषय पर अपने संबोधन में दक ने कहा कि किसी भी सहकारी संस्था के प्रभावी संचालन में निर्वाचित प्रतिनिधियों और कार्मिकों के मध्य समन्वय के साथ-साथ अपने-अपने कार्य दायित्वों के निर्धारण और उनके निर्वहन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि निर्वाचित प्रतिनिधियों को सहकारी कानून, नियम और संस्था के उपनियमों की पूरी जानकारी है तो वह अपने अनुभव और स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर संस्था के संचालन में महती भूमिका निभा सकते हैं। सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्ग के लोगों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करने, उन्हें उद्यम स्थापित करने के लिये सस्ती ब्याज दरों पर सुलभ ऋण मुहैया कराने और उत्पादों के विक्रय के लिये प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिये कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराना, दीर्घकालीन कृषि ऋणों पर पहली बार 7 प्रतिशत का ब्याज अनुदान, पहली बार अकृषि ऋणों पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान, नये सदस्यों को अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण देना, प्रत्येक पंचायत समिति में एक महिला ग्राम सेवा सहकारी समिति का गठन आदि जैसे कदम उठाये हैं।

मीडिया और सरकार के बीच सकारात्मक सहयोग पर कार्यक्रम संपन्न

राइजिंग राजस्थान में मीडिया सरकार और समाज के बीच सेतु-राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर शनिवार को राइजिंग राजस्थान में मीडिया की भूमिका कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा मीडिया की सकारात्मक भूमिका को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सरकार, उद्योग जगत, मीडिया, और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री कर्नल राजवर्धन सिंह राठौड़ द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुआ। उन्होंने कहा कि मीडिया सरकार और समाज के बीच एक सेतु का कार्य करता है और राइजिंग राजस्थान के निर्माण एवं सफलता में इसकी अहम भूमिका है। उन्होंने युवाओं सहित हर वर्ग के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, ब्रह्माकुमारीज जयपुर सबज़ोन प्रभारी राजयोगिनी सुषमा दीदी, पंकज ओझा, अतिरिक्त आयुक्त, खाद्य सुरक्षा के अलावा अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया। वरिष्ठ पत्रकार राजन महान, पिंक सिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने भी अपने विचार रखें। ब्रह्माकुमारीज जनसंपर्क अधिकारी बीके कोमल भाई ने कहा कि संस्थान मीडिया प्रभाग के माध्यम से समाज में श्रेष्ठ मूल्यों को जागृत करने का प्रयास कर रहा है।

पुस्तक विमोचन रेगिस्तान की आवाज़ेंः राजस्थान में सामुदायिक रेडियो की भूमिका-डॉ अमित वर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव आईएएस अभय कुमार, सीताराम गुप्ता निदेशक समृद्ध भारत अभियान, डॉ राजवीर शर्मा अध्यक्ष भारतीय संस्थान लोक प्रशासन दिल्ली क्षेत्र, बिनोद आनंद सदस्य माननीय प्रधानमंत्री एमएसपी और कृषि पर समितिसुधार, विवेकानन्द ग्लोबल विश्वविद्यालय के सीईओ ओंकार बागरिया, कम्युनिटी रेडियो मधुबन सिरोही के हेड बीके यशवंत पाटिल भाई, रेडियो कमलवाणी के डॉ. डीपी सिंह, ने डॉ अमित वर्मा की पुस्तक का विमोचन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में किया। यह पुस्तक केवल एक शाब्दिक दस्तावेज नहीं, बल्कि राजस्थान के सुदूर ग्रामीण अंचलों में सामुदायिक रेडियो के माध्यम से सुनाई देने वाली असंख्य कहानियों, संघर्षों और सफलताओं का जीवन्त प्रतिबिंब है। यह पुस्तक राजस्थान की अनूठी सांस्कृतिक, सामाजिक और भौगोलिक विविधताओं को सामुदायिक रेडियो के परिप्रेक्ष्य से प्रस्तुत करती है। डॉ वर्मा ने इसमें ग्रामीण जनता की आवाज़ को मंच प्रदान करने वाली इस विधा की गहराई से पड़ताल की है और यह दिखाया है कि कैसे सामुदायिक रेडियो ने न केवल संवाद का माध्यम बनकर, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण हथियार बनकर अपनी पहचान बनाई है। वर्तमान में डॉ वर्मा मणिपाल विवि जयपुर के पत्रकारिता एंव जनसंचार विभाग में सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर एंव असिस्टेंट रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत है।

नानी बाई का मायरा और सर्वजातिय विवाह सम्मेलन को लेकर बैठक आयोजित

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** हिंदू युवा वाहिनी के प्रदेश कार्यालय पर सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं नानी बाई का मायरा के आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। मीटिंग में गुलशन वधवा आचार्य पंडित विष्णु भारद्वाज नवीन कालड़ा सुशील अग्रवाल अशोक कुमावत के के भटनागर गोविंद चौधरी विकास शर्मा अनीता गुप्ता सोनाली राजपूत किरण चौधरी राखी सैनी एवं अन्य कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सारस्वत समाज का स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** सारस्वत ब्राह्मण समाज जिला जयपुर की ओर से दीपावली स्नेह मिलन समारोह का भव्य आयोजन श्री परशुराम भवन विद्याधर नगर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत समाज के अध्यक्ष

जगन्नाथ शर्मा द्वारा दीप प्रज्जवलन व सरस्वती वंदना से की गई। इस अवसर पर समाज के मेधावी विद्यार्थियों को शील्ड व मोमेंटो आदि प्रदान कर सम्मानित करने के साथ-साथ समाज के वरिष्ठजनों को उनकी समाज के प्रति निष्ठा और अनेक समाजपयोगी कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें गायन, नृत्य, चित्रकला व रंगोली प्रतियोगिता में बच्चों व युवाओं ने भाग लिया। इसी के तहत महिलाओं द्वारा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध नाट्यकला के माध्यम से संसदेश दिया गया।

प्लेसमेंट ड्राइव एवं कार्यशाला आयोजित

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर के करियर गाइडेंस, ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेंटर द्वारा एक इन-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें जयपुर की कंपनी हायरफॉक्स कंसल्टेंट्स लिमिटेड ने ग्राफिक डिजाइनर और डिजिटल मार्केटिंग इंटर्न के पदों के लिए विभिन्न संकायों के 27 छात्रों का साक्षात्कार लिया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने छात्राओं को साक्षात्कार में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। केंद्र की संयोजक डॉ. आकांक्षा गंडा ने बताया कि प्लेसमेंट वीक (18 से 23 नवम्बर, 2024) के दौरान पूरे सप्ताह महाविद्यालय में अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए प्लेसमेंट ड्राइव एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। कंपनी ने 7 छात्राओं को अंतिम राउंड के लिए चयनित किया है, जो कंपनी कैंपस में आयोजित होगा।

जयपुर डिस्कॉम ने निजीकरण की तरफ बढ़ाए कदम

13 जिलों में निजी कंपनियों के हवाले होंगे पॉवर हाऊस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बिजली तंत्र का ऑपरेशन-मेंटीनेंस, बिलिंग, कलेक्शन से लेकर अन्य काम के लिए अब जयपुर डिस्कॉम ने भी निजीकरण की तरफ कदम बढ़ा दिए हैं। डिस्कॉम 11 व 33 केवी क्षमता के सब स्टेशन के संचालन का काम निजी कंपनियों को सौंपेगा। इसमें 1027 फीडर और 448 ग्रिड सब स्टेशन है।

घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं के फीडर को अलग-अलग करना होगा। इसके लिए निविदा जारी कर दी है। इसकी लागत 9261 करोड़ रुपए आंकी गई है। निजी कंपनी को यह काम दस वर्ष के लिए सौंपा जाएगा। उसे सब स्टेशन पर सोलर प्लांट भी

लगाना होगा। बारां, भिवाड़ी, जयपुर ग्रामीण उत्तर, भरतपुर, झालावाड़, धौलपुर, कोटा, जयपुर ग्रामीण दक्षिण, बूंदी, गंगापुर सिटी, डीग, करौली, कोटपूतली, दूदू जिले के सब स्टेशन शामिल है। कर्मचारी संगठन लगातार निजीकरण का विरोध कर रहे हैं। पिछले दिनों अजमेर व जोधपुर डिस्कॉम ने निविदा जारी की थी।

इसलिए फोकस

प्रोजेक्ट में हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल (हेम) के आधार पर काम किया जाएगा। इसमें मीटरिंग, बिलिंग और कलेक्शन भी शामिल है। ऑपरेशन और मेंटेनेंस के लिए एक निर्धारित अवधि तक सेवा ली जाएगी। एक बड़े अधिकारी एनएचएआई में इस मॉडल पर काम कर चुके हैं, इसलिए उनका इस पर ज्यादा फोकस है।

यह सबसे बड़ी दिक्कत

कई काम निजी हाथों में सौंपे गए हैं। कई मामलों में कंपनी बीच में ही काम छोड़ गई तो बिजली सप्लाई से लेकर बिलिंग तक पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में इस मॉडल को लेकर चुनौती रहेगी।

बड़ी कंपनियों पर फोकस

निविदा में जो शर्तें रखी गई है कि उसमें बड़ी कंपनियों के आने की संभावना ज्यादा है। क्योंकि एक जगह का काम ही 500 से 900 करोड़ रुपए का है। कांग्रेस नेता इस पर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने देश की नामी एक-दो कंपनियों से सांठगांठ तक के आरोप लगाए।

जागरूक खबरें

नि:शुल्क नैत्र जांच शिविर संपन्न

» जागरूक जनता @ गुड़ामालानी। धनवंतरी सोशल केयर फाउंडेशन के माध्यम से नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन गुड़ामालानी प्रधान बिजलाराम चौहान के सानिध्य में वाटरबोक्स आफिस रामजी गोल में सम्पन्न हुआ। फाउंडेशन अध्यक्ष प्रहलादराम सैंन डंडाली ने बताया कि शिविर में कुल 235 लोगो ने आंखों की जांच करवाई जिसमें 45 आपरेशन लायक चयनित लोगो को नेत्र ज्योति होस्पीटल बाड़मेर रेफर किया गया।100 से अधिक लोगों को नि:शुल्क चश्मे वितरण किये गये।इस सम्पूर्ण खर्च राशि के भामाशाह उमेश सैंन रोली रामजी का गोल रहे। टेंट के भामाशाह धर्माराम पुनिया,चाय व्यवस्था के भामाशाह रीड़मलराम देवासी एवं जल व्यवस्था के भामाशाह मांगीलाल सैंन रोली रहे। शिविर में फाउंडेशन टीम में गणपत सैंन बालोतरा, धीरज सैंन रोली उदय सिंह राजपुरोहित डंडाली, आईदान सिंह धतरवाल, केसाराम चौधरी ने सेवाएं दी यह रहे उपस्थित करना राम सुथार जुझाराम गोदारा रावताराम सैन चनणाराम सैन हीरा राम मूढ़ण करनाराम जागू करना राम सैन लक्ष्मण सैन शकर सैन हेमाराम नरेश आदि मौजूद रहे।

केन्द्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री डॉ चौधरी तीन दिवसीय यात्रा पर आज जैसलमेर आएंगे

» जागरूक जनता @ जैसलमेर। केन्द्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री डॉ राजभूषण चौधरी तीन दिवसीय यात्रा पर बुधवार, 20 नवम्बर को जैसलमेर पहुंचेंगे एवं रात्रि विश्राम सर्किट हाउस जैसलमेर में करेंगे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सुनीता चौधरी ने बताया कि केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री 21 नवम्बर को प्रातः 9:30 बजे से ग्रामीण क्षेत्र मूलसागर, अमरसागर, रूपसी, का भ्रमण कर विविध कार्यो का अवलोकन करेंगे। वे इसी दिन दोपहर डाबला में राजीविका द्वारा संचालित सीएलएफ की विजिट करेंगे। जिसके पश्चात फतेहगढ में पम्पहाउस का निरीक्षण कर जलजीवन मिशन के अंतर्गत लाभार्थियों से संवाद करेंगे। उन्होंने बताया कि जल शक्ति राज्य मंत्री 22 नवम्बर को प्रातः 10 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेंगे। वे दोपहर के बाद जैसलमेर से प्रस्थान करेंगे।

संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभा सिंह लेगी जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक कल

» जागरूक जनता @ जैसलमेर। संभागीय आयुक्त जोधपुर डॉ. प्रतिभा सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार, 21 नवम्बर को अपरान्ह 4 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक रखी गई है। संभागीय आयुक्त बैठक के दौरान विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगी।

ढाई दिन मे आयोजित हुए 11 कार्यक्रम, प्रवासी राजस्थानियों ने किया स्वागत

महाराष्ट्र में भी छाये मुख्यमंत्री शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर @ मुकेश भारद्वाज राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राजस्थानी सम्मेलनों में प्रवासी राजस्थानियों से मिलकर अपनी गहरी छाप छोड़ी और वे महाराष्ट्र में भी छा गये।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों के बड़े बड़े नेताओं ने चुनाव प्रचार किया और जिस तरह शर्मा ने अपने तीन दिन के चुनावी दौरे में जनसभाएं की और राजस्थानी सम्मेलनों में जिस आत्मीयता से राजस्थानी प्रवासियों से मिले, इससे प्रवासी राजस्थानियों में मुख्यमंत्री के प्रति भारी उत्साह नजर आया। उनका जगह-जगह जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया और उनके स्वागत के लिए लोग उमड़ पड़े। महिलाएं, युवा और बच्चे शर्मा के साथ सेल्फी लेने को आतुर दिखे। इससे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

शर्मा के प्रति राजस्थानी प्रवासियों में इतना उत्साह देखने को मिला कि जलगांव में आयोजित सम्मेलन में राजस्थानी समाज ने मुख्यमंत्री के सम्मान में हर वर्ष 17 नवम्बर को राजस्थानी सम्मेलन के आयोजन की घोषणा कर दी। शर्मा ने महाराष्ट्र का अपना चुनावी दौरा गत 15 नवंबर को पुणे से शुरु किया और इस दौरान उन्होंने पुणे के भोसरी में महायुति प्रत्याशी महेश किसनराव के समर्थन में आयोजित राजस्थानी समाज सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने अपने दौरे के दूसरे दिन 16 नवम्बर को मुंबई के मलाड पश्चिम में और रविवार को जलगांव में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने रविवार को नागपुर में विभिन्न स्थानों पर विधानसभा चुनाव में नागपुर एवं विदर्भ के समस्त महायुति गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित प्रवासी राजस्थानी सम्मेलनों को संबोधित किया। इसके बाद वह सोमवार को जयपुर लौट आये।

शर्मा ने अपने महाराष्ट्र दौरे के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का पूरी दुनिया में डंका बज रहा है। उन्होंने अपने संबोधनों में देश में वर्ष 2014 के बाद आए परिवर्तन का जिक्र करते हुए राजस्थान में मात्र ग्यारह महीने में ही उनकी सरकार द्वारा जनता से किए गए 50 प्रतिशत वायदों को पूरा करने सहित केन्द्र और राजस्थान सरकार की उपलब्धियों को लोगों के सामने रखकर खूब वाहीवाही लूटी। इस दौरान प्रवासी राजस्थानी भी शर्मा की सादगी और सरलता के कायल हुए बिना नहीं रह सके।

इस अवसर पर शर्मा ने प्रवासी राजस्थानियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी कर्मठता से राजस्थान की मिट्टी की खुशबू पूरे विश्व में फैलाई है। सामाजिक सरोकार के काम में राजस्थानी सबसे आगे रहते हैं और मारवाड़ियों ने अपने कर्म से ही हर क्षेत्र में अपनी साख बनाई है। मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को आगामी नौ से ग्यारह दिसंबर तक राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश सम्मेलन' के लिए आमंत्रित किया और कहा कि वे राजस्थान में निवेश करके अपना कारोबार बढ़ाएंगे तो उनका जुड़ाव और गहरा हो जाएगा।

शर्मा ने अपने महाराष्ट्र दौरे के दौरान कांग्रेस एवं उसके सहयोगी राजनीतिक दलों पर तीखा हमला करते हुए उनके गठबंधन को ठगबंधन करार दिया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह चुनाव आते ही झूठ और लूट की दुकान खोल देती है। उन्हें न तो राज्य और राष्ट से प्रेम है और न ही जनता के हितों से कोई सरोकार। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण कांग्रेस की झूठ और लूट की दुकान बंद हो गई है। जनता जानती है कि विकास केवल मोदी के नेतृत्व में ही संभव है। लोगों में भाजपा के प्रति अति उत्साह और उमंग है और महाराष्ट्र में प्रचंड बहुमत के साथ महायुति की सरकार बनेगी।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान प्रवासी राजस्थानियों का महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और समाज को समृद्ध बनाने के लिए एकजुट होकर महायुति को वोट देने का आह्वान करते हुए कहा कि जनता के समर्थन से डबल इंजन की सरकार महाराष्ट्र के सपनों को साकार कर पायेगी। इस दौरान शर्मा को गोरेगांव स्पोर्टस क्लब का मानद सदस्य बनाकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल, पूर्व केन्द्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन, सांसद राजेन्द्र गहलोत सहित कई नेता भी मौजूद रहे।

शर्मा ने कहा कि मोदी ने वर्ष 2014 में किए सभी वायदे 2019 तक पूरे किए और उनके 2019 के वादे भी वर्ष 2023 तक पूरे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन सरकार अपने सभी वायदे पूरे करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भी वर्ष 2014 के बाद राष्ट्रवाद की विचारधारा को बल मिला है और देश में आमूलचूल परिवर्तन आया है। वर्षों से अटके मुद्दों का समाधान हुआ और हमने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने अपनी कार्यशैली की मिसाल पेश करके देश की अन्य पार्टियों और राजनेताओं को बदलने पर मजबूर कर दिया है।

यूईएम आयोजित करेगा अंतर्राष्ट्रीय उद्योग संस्थान मीट-सिनर्जी समिट 2024

UEM UNIVERSITY OF ENGINEERING & MANAGEMENT
श्रद्धावान लभते ज्ञानम्
Good Education, Good Jobs

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (UEM), जयपुर, संयुक्त राष्ट्र वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के सहयोग से शुक्रवार, 22 नवंबर को निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय उद्योग संस्थान मीट (IIIM) - सिनर्जी समिट 2024 की घोषणा करते हुए रोमांचित है। यह ऐतिहासिक आयोजन वैश्विक विचार नेतृत्व, नवाचार और सहयोगात्मक उत्कृष्टता के एक केंद्र के रूप में काम करेगा, जो शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान क्षेत्रों से दूरदर्शी, विशेषज्ञ और परिवर्तन-निर्माताओं को एक साथ लाएगा।

सिनर्जी समिट 2024 का विजन

तेजी से बदलती दुनिया में, नवाचार और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देने वाली तालमेल बनाने के लिए शिक्षा और उद्योग के बीच की सीमाओं को धुंधला करना होगा। IIIM सिनर्जी समिट 2024 को उद्योग-अकादमिक सहयोग के भविष्य को फिर से परिभाषित करने, संवाद, विचार और वैश्विक उत्कृष्टता के लिए कार्रवाई योग्य रणनीतियों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में डिज़ाइन किया गया है। यह शिखर सम्मेलन विभिन्न क्षेत्रों में उभरती चुनौतियों और अवसरों को संबोधित करने के लिए विविध विशेषज्ञता और दृष्टिकोणों के अभिसरण पर प्रकाश डालेगा, जिसका उद्देश्य स्थायी प्रभाव पैदा करने वाली वैश्विक साझेदारियों को प्रेरित करना है। सत्र को तीन मुख्य भाषणों और तीन ज्ञानवर्धक पैनल चर्चाओं से सजाया जाएगा। शिखर सम्मेलन में नोबेल पुरस्कार विजेताओं, उद्योग के अग्रदूतों और अकादमिक दूरदर्शी सहित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों की एक प्रतिष्ठित लाइनअप शामिल होगी। प्रतिभाओं का यह अनूठा समामेलन सुनिश्चित करता है कि प्रतिभागियों को अत्याधुनिक रणनीतियों और दृष्टिकोणों तक पहुँच प्राप्त होगी जो कल के उद्योगों को आकार देते हैं। शिक्षा, व्यवसाय और अनुसंधान के प्रसिद्ध वैश्विक नेता नवाचार-संचालित शिक्षा, सतत औद्योगिक विकास और एक जुड़ी हुई दुनिया में प्रौद्योगिकी के भविष्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर परिवर्तनकारी अंतर्दृष्टि साझा करेंगे। प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ जुड़ें क्योंकि वे,ह्व-संचालित उद्योगों, सीमा पार अकादमिक सहयोग और वैश्विक समस्या-समाधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका जैसे ज़मीनी विषयों पर चर्चा करेंगे। इस अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भागीदारी की सुविधा होगी, जिससे वैश्विक विद्वानों की व्यक्तिगत और आभासी दोनों तरह की उपस्थिति होगी। डेनमार्क, चिली और भारत के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि चर्चा में योगदान देंगे, जिससे प्रतिभागियों को प्रबंधन और तकनीकी दृष्टिकोणों की विविधतापूर्ण रेंज मिलेगी। भागीदारों को विविध क्षेत्रों के अग्रणी लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा, जिससे नवाचार, ज्ञान-साझाकरण और उत्कृष्टता के मानकों को फिर से परिभाषित करने वाली साझेदारी बनेगी।

"हम आपको IIIM सिनर्जी समिट 2024 में आमंत्रित करते हुए बहुत उत्साह महसूस कर रहे हैं, यह एक वैश्विक मंच है जहाँ शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान के सबसे प्रतिभाशाली दिमाग सहयोग और नवाचार के भविष्य को आकार देने के लिए एक साथ आते हैं। यह शिखर सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं है, यह साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक आंदोलन है जो उत्कृष्टता को फिर से परिभाषित करता है और सार्थक प्रभाव डालता है।" **- डॉ. प्रीति शर्मा**

जयपुर स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (UEM), जयपुर, नवाचार और विद्वानों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो शिक्षा और शैक्षणिक विकास में एक वैश्विक नेता के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करता है।

असम विधानसभा की अधीनस्थ समिति 21 को उदयपुर में

» जागरूक जनता @ उदयपुर। असम विधानसभा की अधीनस्थ समिति गुरुवार 21 नवंबर को वायुयान से उदयपुर पहुंचेंगी। सभापति सहित 11 सदस्यों की यह समिति 22 नवंबर को उदयपुर व माउंट आबू के स्थानीय भ्रमण पर रहेगी और रात्रि विश्राम उदयपुर में करने के पश्चात समिति 23 नवंबर को सुबह 9:55 बजे वायुयान से दिल्ली के लिए प्रस्थान कर जाएंगी।

"ताल" में कथक के विविध रंग देख दर्शन हुए मंत्र मुग्ध

महाराणा प्रताप सभागार में वार्षिकोत्सव "ताल 2024" आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ कथक डांस एंड म्यूजिक का अठारहवाँ वार्षिकोत्सव " ताल 2024 " का आयोजन महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में रविवार को किया गया। करीब 125 छात्राओं ने कथक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति देखकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम का प्रारंभ गणेश वंदना "गाइए गणपति जगवंदन" से किया गया। उसके पश्चात आराध्या ,खुशी ,रित्विका, आध्या और सृष्टि ने शुद्ध कथक नृत्य प्रस्तुतीकरण ताल तीनताल में किया। डॉ स्वाति अग्रवाल ने जयपुर घराने के कथक का भावपूर्ण प्रस्तुतिकरण किया। इसके अतिरिक्त "निरत करत चतुरंग" और कृष्ण भजन "चल वृंदावन" के माध्यम से भगवान कृष्ण की आराधना की गई। छात्राओं ने ओम नमः शिवाय, तराना, ताल चौताल, राजस्थानी लोक नृत्यो का सुंदर प्रस्तुतीकरण कर अपनी नृत्य साधना का परिचय दिया। संस्था की वरिष्ठ छात्राओं हर्षिता, चारवी , संस्कृति, स्नेहल,भावना, दृष्टि, शाईनी, अदिति, अक्षिता, सिया, ऋषिका, दुर्गेश, अवनी और मानवी ने जयपुर घराने के कथक नृत्य की विशेष प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का समापन ,जयपुर स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में, राजस्थानी समूह नृत्य आओ नी पधारो म्हारे देश के रंगारंग प्रस्तुतीकरण से किया गया। पूर्व सांस्कृतिक मंत्री डॉ बी डी कल्ला कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच संचालन प्रणय भारद्वाज द्वारा किया गया।

माधव विश्वविद्यालय में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कुलाधिपति से की शिष्टाचार भेंट, कुलाधिपति ने किया सम्मानित

» जागरूक जनता @ आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वर लाल ने कुलाधिपति हिम्मत सिंह देवल से शिष्टाचार भेंट की। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हिम्मत सिंह देवल ने इस अवसर पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें विश्वविद्यालय की गतिविधियों, उपलब्धियों और शैक्षणिक योगदान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कुलाधिपति ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को हनुमान प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया, जो विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का प्रतीक है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत भी मौजूद रहे, जिन्होंने रामेश्वर लाल का पारंपरिक साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और सामाजिक योगदान की सराहना की और विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों और अनुशासन के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। इस मौके पर अतिरिक्त रजिस्ट्रार डॉ डूंगर सिंह भी मौजूद रहे।

माधव विश्वविद्यालय में कौमी एकता सप्ताह का भव्य शुभारंभ

» जागरूक जनता @ आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री राष्ट्रीय इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर कौमी एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य साम्प्रदायिक सौहार्द, देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस क्रम में ग्राम वाड़ा में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के निदेशक डॉ. देवेंद्र मुझाल्दा ने ग्रामवासियों को एकता और सद्भाव का संदेश दिया। राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई प्रथम की प्रभारी संगीता सिंह ने ग्रामीणों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी, जबकि इकाई द्वितीय की प्रभारी डॉ. रेणुका ने साम्प्रदायिक सद्भावना को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय स्वयंसेवकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम ने ग्रामवासियों और विद्यार्थियों को एकजुटता और सामंजस्य के महत्व का संदेश दिया।

राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, बीकानेर और राष्ट्रीय पशु संसाधन ब्यूरो करनाल का साझा प्रयास

घोड़ों की ताकत और इतिहास बतायेगी एसएनपी चिप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर/करनाल। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र ने राष्ट्रीय पशु संसाधन ब्यूरो करनाल के वैज्ञानिकों के साथ दो साल मेहनत कर एक चिप विकसित की है। इससे स्वदेशी नस्ल के घोड़ों की ताकत और इतिहास सामने आ जाएगा। केंद्र के वैज्ञानिकों का दावा है कि स्वदेशी घोड़ों की डीएनए बेस्ड एक्सिओ अश्व एसएनपी चिप देश में पहली बार तैयार की गई है। नई विकसित इस चिप से स्वदेशी नस्ल के घोड़ों के बारे में ज्यादा गहनता से अध्ययन किया जा सकेगा। अब तक विदेशी घोड़ों की डीएनए जांच चिप से ही आनुवांशिक अध्ययन करते थे।

इन वैज्ञानिकों ने तैयार की चिप

इस चिप को तैयार करने में दो साल का समय लगा। टीम में राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र के प्रभागाध्यक्ष डॉ. एससी मेहता के साथ सोनिका अहलावत, साकेत कुमार निरंजन, रीना अरोड़ा, रमेश कुमार विज, अमोद कुमार, उपासना शर्मा, मिनल रहेजा, कनिका पोपली, सीमा यादव शामिल रहे।

100 से अधिक घोड़ों के डीएनए पर किया अध्ययन

इस चिप को तैयार करने के लिए वैज्ञानिकों ने 100 से अधिक घोड़ों के डीएनए पर अनुसंधान किया। इसमें मारवाड़ी, काठियावाड़ी, मणिपुरी झांसकारी, स्पीति तथा भुटिया नस्ल के घोड़े शामिल रहे। एक विदेशी नस्ल थोरब्रेडस के घोड़े को भी शामिल किया गया। सभी की डीएनए जांच कर चिप तैयार की गई। इसके लिए 6 लाख 13 हजार 950 डीएनए मार्कर डाले गए। इससे 94.4% तक सफल परिणाम सामने आए है। डीएनए चिप से घोड़ों की नस्लों का वर्गीकरण के साथ उनके उत्पादन एवं खासियत का पता लगेगा।

टॉपिक एक्सपर्ट: विदेशी चिप पर नहीं रहना होगा निर्भर

अब तक स्वदेशी घोड़ों की डीएनए जांच के लिए विदेशी घोड़ों के लिए तैयार चिप ही काम में ली जाती थी। इससे सार्थक परिणाम सामने नहीं आते थे। दोनों का रहन- सहन और कदकाठी, अनुवांशिक हिस्ट्री अलग-अलग होती है। इसे देखते हुए स्वदेशी घोड़ों की डीएनए चिप तैयार की गई। इसके लिए वैज्ञानिकों ने काम किया।

इस चिप से स्वदेशी घोड़ों की डीएनए जांच कारगर साबित होगी। इससे घोड़ों के दौड़ने की गति, कार्य क्षमता, घोड़ों की चाल, ताकत नस्लों की कुंडली का पता चल सकेगा। साथ ही मजबूत एवं ताकतवर घोड़ों का चयन करना भी आसान हो जाएगा। अब विदेशी चिप पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।
डॉ एससी मेहता, प्रभागाध्यक्ष राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, बीकानेर

माधव विश्वविद्यालय के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर गरीब और असहायों के लिए वरदान

» जागरूक जनता @ आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय के माधव होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की ओर से देलदर गांव में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 70 से अधिक मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें होम्योपैथिक दवाएं वितरित की गईं। चिकित्सा अधिकारी डॉ. भावना कुमारी के नेतृत्व में इस शिविर में त्वचा रोग, मौसम के कारण छोटे बच्चों में संक्रमण, तेज बुखार, खांसी-जुकाम, पेट दर्द, कमर दर्द, जोड़ और घुटनों के दर्द, महिला रोग जैसे माहवारी संबंधी समस्याएं और बाह्य जननांगों के संक्रमण से संबंधित मरीजों का इलाज किया गया। साथ ही मरीजों के लिए नि:शुल्क मधुमेह जांच की भी व्यवस्था की गई। शिविर में डॉ. भावना कुमारी के साथ प्रशिक्षु चिकित्सक हर्ष, मेघना, नीरज, उमेर और जयेश ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। माधव विवि के चेयरमैन डॉ. राजकुमार ने स्वास्थ्य दल की प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब और असहाय लोगों की सेवा करना एक महान कार्य है। ऐसे शिविर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए वरदान साबित होते हैं।

प्रजापाति ने करवाया लावारिश शव का विधि-विधान से अंतिम संस्कार

पूर्व में अनेकों शवों को कंधा देकर कर चुके अंतिम संस्कार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। गत मंगलवार 12 नवम्बर को सिरोही के दुधिया तालाब में मिले शव का सात दिनों तक शिनाख्त नहीं होने पर सिरोही के समाजसेवी प्रकाश प्रजापति ने लावारिश शव का विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया।

सात दिन पहले गत मंगलवार को मिले शव को शिनाख्त एवं वरिश्दार हेतु सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया था। जिस पर सिरोही पुलिस थाना द्वारा मृतक की शिनाख्त एवं वारिश्दार हेतु छानबीन कर सोशल मीडिया एवं अन्य सभी माध्यमो से लगातार प्रयास किये। सात दिनों तक लावारिश मृतक की शिनाख्त नहीं होने एवं वारिशदार नहीं मिलने पर सोमवार को पुलिस थाना सिरोही के थानाधिकारी कैलाशदान चारण एवं सहायक उपनिरक्षक शैतानसिंह, हैडकांस्टेबल सचेन्द्र रतनू, कांस्टेबल गणपतलाल, चम्पालाल की मौजूदगी में चिकित्सको द्वारा पोस्टमार्टम करवाकर प्रशासनिक कार्यवाही की। लावारिश मृतक के शिनाख्त एवं वारिसदार नहीं होने पर सिरोही पुलिस ने मृतक के अंतिम संस्कार हेतु लायंस क्लब से जुड़े एवं रेडक्रॉस सोसायटी चैयरमेन समाजसेवी प्रकाश प्रजापति को सूचित किया। इस पर प्रजापति ने मोर्चरी पहुंच कर लावारिश शव के विधि विधान से अंतिम सस्कार की जिम्मेदारी लेकर अन्तिम संस्कार की साम्रग्री जुटाकर तैयारी की। तत्पश्चात प्रजापति ने लावारिश के वारिश बन मोर्चरीकर्मी छगनलाल के सहयोग से कंधा देकर सम्मानपूर्वक आंशिक शव यात्रा निकालकर अंतिम संस्कार हेतु शव को मोक्ष-रथ से सारणेश्वर रोड स्थित शमशान घाट ले गए। जहाँ मृतक को मुखाग्नि देकर विधि विधान से अंतिम संस्कार किया।

इनकी रहीं मौजूदगी

अंतिम संस्कार के दौरान शमशान पर कांस्टेबल गणपतलाल, राजेंद्रसिंह, चुन्नीलाल, देवेन्द्र ,रवि, कालूराम, वीराराम, तरुण, देवराज उपस्थित थे। ज्ञात रहे गत 12 नवम्बर को दुधिया तालाब में तीन से चार दिन पुराना शव तैरता हुआ मिला था। शव पिघला हुआ था एवं उसमे कीड़े भी पड़े हुए थे जिसके कारण भयंकर दुर्गन्ध मार रहा था। जिसे पुलिस ने तालाब पहुंच शव निकलवाकर प्रकाश द्वारा ही मोर्चरी पहुंचाया था।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय ने 21 एंटीडायबिटीज ड्रग से तैयार किया चूर्ण

आयुर्वेदिक 'चूर्ण' से खत्म होगा डायबिटिज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर @ ज्ञानेन्द्र मिश्रा। अगर आप डायबिटिज के मरीज है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय ने मधुमेह (डायबिटीज) रोगियों के उपचार के लिए खुद की रसायनशाला में चूर्ण तैयार किया है। तैयार चूर्ण को यहां ओपीडी में आने वाले 500 मरीजों पर इसका सफल परीक्षण किया गया है। दावा है कि अगर किसी मरीज का एचबीए-1सी (ग्लाइसाइटेड हीमोग्लोबिन) का पैमाना 8 तक है तो ऐसे मरीजों पर यह चूर्ण बहुत जल्दी असर करता है। तीन महीनों में मरीजों का एचबीए-1सी का पैमाना 6 तक आ जाता है। साथ ही, इसके साथ मरीज को अपनी दैनिक जीवनचर्या में कुछ बदलाव लाने होते है। जिससे इस पर जल्दी असर लाया जा सकता है। जोधपुर आयुर्वेद विवि की रसायन शाला में 21 एंटी डायबिटिक ड्रग को मिलाकर मधुमेहारियोग चूर्ण तैयार किया है। इसे खाली पेट सुबह 3 ग्राम और शाम को 3 ग्राम लेना होता है। 90 से 120 दिन तक लगातार लेने पर मरीज सामान्य हो जाता है। अब यह चूर्ण मरीजों को निःशुल्क उपलब्ध करवाया जा रहा है।

इन मरीजों को लाभ

जिन मरीजों का फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल 140 से 150 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर होता है। खाना खाने के दो घंटे बाद शुगर लेवल 200 तक रहता है। ऐसे मरीजों पर मधुमेहारियोग चूर्ण सर्वाधिक असर करता है। जिन मरीजों का शुगर लेवल 400 से 500 तक है। ऐसे मरीजों पर असर तो होता है, लेकिन वे सामान्य नहीं हो पाते हैं।

मधुमेहारियोग चूर्ण से 150 से 200 शुगर लेवल तक डायबिटीज आसानी से ठीक हो रही है, लेकिन इसके साथ जीवनचर्या के नियम भी मानने पड़ते हैं। जल्दी सोना, जल्दी उठना, घूमना, अधिक कार्बोहाईड्रेट्स की चीजों का सेवन नहीं करना, मीठे पेय नहीं पीना शामिल है। तीन से चार महीने में ठीक होने के बाद अगर जीवनचर्या नियम मानते हैं तो फिर डायबिटीज नहीं होगी।
डॉ.बह्मानंद शर्मा, फिजिशियन, आयुर्वेद विवि जोधपुर

डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा, फिजिशियन आयुर्वेद विवि से जागरूक जनता की बातचीत के अंश

डायबिटीज क्या है?

मधुमेह एक ऐसा रोग है जिसमें आपकी रक्त शर्करा (ग्लूकोज़) का स्तर बहुत अधिक होता है। अगर आपका शरीर ब्लड शुगर को सामान्य तरीके से नियंत्रित नहीं कर पा रहा है, तो आपको डायबिटीज होती है।

डायबिटीज कितनी होनी चाहिए?

भोजनोपरांत रक्त शर्करा का माप 140 mg/dL (7.8 mmol/L) से कम होना सामान्य माना जाता है। यदि आपका स्तर 140 और 199 mg/dL (7.8 और 11 mmol/L) के बीच है, तो यह इंगित करता है कि आपको प्रीडायबिटीज़ हो सकती है।

डायबिटीज किसकी कमी से होता है?

मधुमेह एक दीर्घकालिक बीमारी है जो या तो तब होती है जब अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं करता है या जब शरीर अपने द्वारा उत्पादित इंसुलिन का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं कर पाता है। इंसुलिन एक हार्मोन है जो रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है।

डायबिटीज से शरीर में क्या होता है?

यदि आपको मधुमेह है, तो आपका शरीर पर्याप्त मात्रा में या बिल्कुल भी इंसुलिन नहीं बनाता है, या इंसुलिन का सही तरीके से उपयोग नहीं करता है। फिर ग्लूकोज आपके रक्त में रहता है और आपकी कोशिकाओं तक नहीं पहुँच पाता है। मधुमेह से आंखों, गुर्दे, नसों और हृदय को नुकसान पहुंचने का जोखिम बढ़ जाता है।

डायबिटीज में कौन सा अंग खराब होता है?

डायबिटीज के मरीज के दिल, किडनी, आंख और दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। ये अंग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। बढ़े हुए ब्लड शुगर से वैस्कुलर हेल्थ पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। इससे ब्लड वेसल्स में बदलाव आने लगते हैं और शरीर में बीमारियां बढ़ जाती है।

40 साल की उम्र में शुगर कितना होना चाहिए?

20 से 40 के उम्र में खाना खाने से पहले ब्लड शुगर लेवल 100 से 150 mg/dl और खाना खाने के 2 घंटे के बाद 130 से 140 mg/dl होना चाहिए। 50 साल के बाद खाना खाने से पहले ब्लड शुगर लेवल 90 से 130 mg/dl और खाना खाने के 2 घंटे के बाद 150 mg/dl से अधिक नहीं होना चाहिए।

डायबिटीज के लक्षण क्या हैं?

» बार बार पेशाब आना
» ज्यादा प्यास लगना
» ज्यादा भूख लगना
» वजन कम होना
» विजन लॉस यानी नजर धुंधली होना
» थकान महसूस होना
» चोट लगने पर जख्म जल्दी ठीक ना होना
» इंफेक्शन होना।

कार्तिक पूर्णिमा, देव दीपावली के अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने की देवो की पूजा अर्चना

» जागरूक जनता @ भीनमाल/बैगलूरू । राजेन्द्र पूनम ग्रुप के 60 सदस्यों ने कार्तिक सुदी पूर्णिमा देव दीपावली के अवसर पर आदाणी तीर्थ यात्रा का लाभ लेते हुए देवो की पूजा अर्चना की। ग्रुप के सदस्य प्रकाश जैन ने बताया कि बैगलूरू से भक्त गण पेद् दतुम्बलम् तीर्थ यात्रा पर गये। वहां पर तीर्थंकर पार्श्वमणि पार्श्वनाथ की दिन भर सेवा पूजा की। इस बार कार्तिक पूर्णिमा देव दीपावली होने के कारण गुरु भक्तों ने विशेष रूप से देवो की पूजा अर्चना का लाभ लिया। जैन धर्म में कार्तिक पूर्णिमा देव दीपावली का विशेष महत्व होता है। इस यात्रा के आयोजन का लाभ भी सामुहिक रूप से लिया जाता है । वहां सभी लोगों ने प्रभु भक्ति का आनंद उठाया। इस दौरान नये नये भक्तों का जुड़ाव हो रहा है। जिसमें युवा, जवान, महिला, बच्चे एवं वरिष्ठ नागरिक भी सम्मिलित रहे। मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि इस अवसर पर ताराचंद जैन, हितेष पालगोता, राजु सवाणी, कान्तिलाल बदामुथा, रमेश बालर, दलीचंद, बाबुलाल कबदी, गणेश लुणीय मुथा, रमेश भंसाली, दिलीप भंडारी, बाबुलाल सोफाडिया, रविन्द्रकुमार, दिनेश लम्बु, जुगराज भंडारी, रमेश सोलंकी, हितेषकुमार, जितेन्द्रकुमार, अनिलकुमार, ललितकुमार, रमेश क्षत्रिय बोरा, विक्रम सवाणी, रमेशकुमार, विमलकुमार, मनोहरमल, चंपालाल श्रीश्रीमाल, जयंतीलाल मालानी, दाईबाई, मंजुदेवी, अलकादेवी, कोमल, संगीतादेवी, जशोदादेवी, सीमादेवी, कमलादेवी, संतोषदेवी सहित कई सुश्रावक एवं सुश्राविका उपस्थित रहे ।

अयोध्या, काशी सा विकसित होगा पुष्कर-दीया कुमारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर/पुष्कर। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि तीर्थराज पुष्कर को अयोध्या और काशी की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। अन्तरराष्ट्रीय श्री पुष्कर पशु मेला प्रतिवर्ष पूरी भव्यता के साथ आयोजित होगा। केन्द्र व राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से राजस्थान अन्तरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर अग्रणी होगा।

पुष्कर करोड़ों लोगों की आस्था का केन्द्र

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अन्तरराष्ट्रीय श्री पुष्कर मेला-2024 के समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि तीर्थराज पुष्कर का पूरे विश्व में विशिष्ट महत्व है। जगतपित ब्रह्मा की नगरी पुष्कर करोड़ों लोगों की आस्था का केन्द्र है। राज्य सरकार पुष्कर के विकास के लिए पूरी गंभीरता के साथ काम कर रही है। पुष्कर का विकास अयोध्या एवं काशी की तर्ज पर सुनियोजित तरीके से किया जाएगा। पुष्कर विकास की बड़ी रूपरेखा तैयार कर कार्य किया जाएगा।

इस बार आए 6 लाख से ज्यादा पर्यटक

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि इस साल 6 लाख से अधिक देसी-विदेशी पर्यटक व श्रद्धालुओं ने मेले में हिस्सा लिया है। वर्ष 2019 के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मेले में आए हैं। पर्यटन और धार्मिक दृष्टि से हर साल मेले को पूर्ण भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। इसके लिए पर्याप्त इंतजाम किए जाएंगे। इस साल 20 हजार से ज्यादा विदेशी पर्यटक भी मेले में आए हैं। देश के प्रत्येक व्यक्ति की भावना पुष्कर से जुड़ी हुई है। मेले और पुष्कर विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

पुष्कर मेले का होगा जमकर प्रचार-प्रसार

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि पुष्कर मेले का इतना प्रचार-प्रसार किया जाएगा कि भारत आने वाला व्यक्ति पुष्कर आने की इच्छा रखे। यहां संसाधन भी उसी अनुरूप विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार देश और राजस्थान में पर्यटन विकास के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राज्य सरकार राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए मिल कर काम कर रहे हैं।

विशाल रक्तदान शिविर की तैयारी बैठक आयोजित

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। डॉ. भीमराव अंबेडकर ब्लड फाउंडेशन की जिला कार्यकारिणी की बैठक नेहरू उद्यान में सम्पन्न हुई। बैठक में 6 दिसम्बर को बाबा साहब अम्बेडकर की पुण्यतिथि व परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर की रूपरेखा तय हुई। बैठक में फाउंडेशन को प्रतापगढ़ व उदयपुर जिले में विस्तार के बारे में चर्चा हुई। फाउंडेशन संस्थापक अध्यक्ष मनोज कुमार बैरवा ने बताया कि रक्तदान शिविर में एससी, एसटी समाज सहित सर्व समाज भाग लेंगे जिसमें अधिक से अधिक रक्तदान करने का लक्ष्य रखा गया है। रक्तदाताओं की संख्या अधिक से अधिक हो इसके लिए फाउंडेशन के प्रत्येक पदाधिकारी व कार्यकर्ता को कम से कम 5-5 रक्तवीरों को शिविर में लाकर रक्तदान कराने का संकल्प दिया गया।

दुर्ग के ऐतिहासिक स्मारकों को देखकर पर्यटक हो रहे अभिभूत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक दुर्ग पर इन दिनों गुजरात, मध्यप्रदेश, मुम्बई सहित अन्य स्थानों से पर्यटक यहां पहुंच कर ऐतिहासिक स्मारकों को देखकर अभिभूत हो रहे है। पिछले एक पखवाड़े से तापमान में हल्की गिरावट के साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों से देशी विदेशी पर्यटक दुर्ग भ्रमण के लिये यहां पहुचं रहे है। खास तौर पर रविवार व अन्य अवकाश के दिनों में दुर्ग पर खासी चहल-पहल के कारण पर्यटन व्यवसाय से जुड़े व्यापरियों को भी अच्छी आमदनी हो रही है।

पारम्परिक वेशभूषा, ऊंट, घोड़े, फोटो ग्राफरों, ऑटों रिक्शा सहित कैफे व रेस्टारेंट से जुड़े व्यापारियों के चेहरे खिले नजर आ रहे है। रविवार को भी देशी विदेशी सैलानियों सहित स्कूली बच्चों के दल दुर्ग भ्रमण करते देखे गये। पर्यटक दुर्ग स्थित कुंभामहल, फतहप्रकाश म्यूजियम, विजय स्तम्भ, मीरा मंदिर, पद्मिनी महल सहित स्मारकों के इतिहास को जानने में गहरी रूचि दिखा रहे है। वही प्रमुख शाक्ति पीठ कालिका माता मंदिर व बायण माता में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

938.59 करोड़ का टेंडर जारी, जाम से मिलेगी राहत

धरातल पर उतरेंगी जोधपुर की एलिवेटेड उम्मीदें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। शहर को ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी। इसके लिए तैयार किया गया केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय का एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट धरातल पर आएगा। इसके लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से टेंडर जारी किया गया है। 938.59 करोड़ के इस पहले चरण के टेंडर में 7.6 किमी का एलिवेटेड रोड और 7 किमी का रैम्प निर्माण होगा। गौरतलब है कि यह 4000 करोड़ का प्रोजेक्ट है, जिसमें कई चरणों में काम होगा।

चार लेन का होगा एलिवेटेड रोड

यह एलिवेटेड रोड तीन लेयर में फोरलेन का बनेगा। वर्तमान में मंडोर रोड की जो चौडाई है, उसे ही यथावत रखा जाएगा। इसमें पहली लेयर सामान्य सड़क की होगी, इसके बाद फ्लाईओवर बनाया जाएगा। तीसरी लेयर पर मेट्रो का प्रस्तावित प्लान रखा गया है। यह सिंगल पियर पर बनने वाला रोड होगा, इसमें अनुमानित 100 पियर लगेंगे।

कहां से कहां तक

एलिवेटेड रोड की लम्बाई महामंदिर चौराहे से आखलिया सर्कल तक 7.633 किमी की होगी, लेकिन दोनों ओर करीब 2 किमी रैम्प होगी। इसके अलावा इस रिंग रोड पर चार जगह उतरने और चढ़ने के लिए भी रोड रैम्प दी जाएगी, जिससे रैम्प की कुल लम्बाई 7.012 किमी होगी। दो साल पहले जब ट्रैफिक पैसेंजर कार यूनिट सर्वे हुआ तो 74 हजार पाया गया था जो कि अब काफी बढ़ चुका है। यह रोड कृषि मंडी चौराहे के समीप से शुरू होकर महामंदिर, पावटा, पुरी तिराहा, जालोरी गेट, पांचवी रोड, आखलिया सर्कल से होकर कायलाना चौराह व चौपासनी रोड तक जाएगा।

एचएएम मॉडल पर होगा काम

जोधपुर में एलिवेटेड रोड को बनाने में एनएचएआई हाइब्रिड एन्युटी मॉडल यानि एचएम का उपयोग होगा। यह मॉडल डिजाइन, बिल्ड, ऑपरेट व ट्रांसफर पर काम करता है। इसमें जिस कंपनी को टेंडर मिलेगा वही डिजाइन बनाने के बाद इसका निर्माण करेगी व संचालन भी करेगी।

1000 करोड़ से कम रखी इस चरण की कीमत

इस प्रोजेक्ट के प्रथम चरण की लागत 938.59 करोड़ रखी है, जिससे कि इसे मंत्री नितिन गडकरी के स्तर पर अनुमोदित करवा कर धरातल पर लाया जा सके। 1000 करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट के लिए कैबिनेट की अनुमति लेनी होती है।

यह जोधपुर की डिमांड थी जो अब धरातल पर उतरेगी। यह बड़ा प्रोजेक्ट है, जो 1000 करोड़ से कम की लागत पर टेंडर प्रक्रिया में रखा गया है। ताकि सड़क एवं परिवहन मंत्री के स्तर पर ही इसकी अनुमति मिल सके।
गजेन्द्र सिंह शेखावत, सांसद एवं केन्द्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री

आनन्द यंग अचीवर अवार्ड से सम्मानित

» जागरूक जनता @ चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के पर्यावरण एवं विज्ञान अध्ययन केन्द्र एवं पर्यावरण गतिविधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण में कृषि, मवेशियों और ग्रामीण विकास का योगदान विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रबंधन संकाय के आनन्द कुमार गुप्ता पिता राजेंद्र कुमार गुप्ता निवासी जनकीकुंड चित्रकूट को कुलपति प्रोफेसर भरत मिश्र एवं मध्य प्रदेश की राज्य मंत्री मा. प्रतिमा बागरी द्वारा Young Achiever Award - 2024 से सम्मानित किया गया। आनन्द जी वर्तमान में विवि में प्रबंधन संकाय गेस्ट फैकल्टी के रूप में कार्यरत हैं। इन्होने नेशनल जर्नल में शोध पत्र प्रकाशित किया है। उनके उपलब्धि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक डॉ उमेश कुमार शुक्ला विशेष रूप से शुभकामना दी। प्रबंधन संकाय के अधिष्ठाता प्रो अमरजीत सिंह , विभागाध्यक्ष डॉ चंद्र प्रकाश गुर्जर , डॉ संतोष कुमार अरसिया ,डॉ विजय सिंह परिहार, डॉ विभास चंद्र आदि शुभचिंतको नें उन्हें प्रसन्नता पूर्वक बधाई दी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भारतीय संविधान दिवस सप्ताह में गोष्ठी आयोजित

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। भारतीय संविधान जनजागरिणी संस्था गंगरार की ओर से भारतीय संविधान दिवस की तैयारी को लेकर बैठक एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि निर्मल देसाई ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 26 नवम्बर 1949 को भारतीय संविधान अंगीकृत किया गया था। संविधान को अंगीकृत किए 75 वर्ष होने एवं भारतीय संविधान दिवस समारोह आयोजित करने के लिए तैयारी गोष्ठी आयोजित करने के लिए धन्यवाद देते हुए सभी को संवैधानिक मूल्यों एवं मूल कर्तव्य का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। कार्यर् म की अध्यक्षता करते हुए डॉ सोहन मेघवाल ने सभी को संविधान दिवस को हर्ष के साथ मनाने का आग्रह किया। गोष्ठी के विशिष्ठ अतिथि राम लाल ने अपने मोहल्लों पर संविधान दिवस समारोह के बारे मे जानकारी देकर अधिक अधिक लोगो को लाने की बात कही। कार्यक्र म में कौशल किशोर बिलवाल ने आयोजन की रूपरेखा सभी के सामने रखी।

पांचना बांध का दो वर्ष में होगा कायाकल्प

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

करौली। जिले के सबसे बड़े पांचना बांध का आगामी दो वर्ष में कायाकल्प होगा। बांध निर्माण के बाद दो दशक की अवधि में बड़े स्तर पर बांध पर मरम्मत कार्य होंगे, जिन पर 12 करोड़ से अधिक खर्च होंगे। जल संसाधन विभाग की ओर से टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण कर संबंधित फर्म को कार्यादेश भी जारी किए जा चुके हैं। टेण्डर शर्तो के अनुसार नवबर 2026 तक कार्य पूरे होने हैं। गौरतलब है कि पांचना बांध का निर्माण कार्य वर्ष 2005 में पूरा हुआ था। बांध की कुल भराव क्षमता 258.62 मीटर है। बांध में कुल 7 गेट हैं।

हाईमास्ट से दमकेगा बांध

जल संसाधन विभाग सूत्रों के अनुसार विश्व बैंक पोषित बांध सुरक्षा एवं सुरक्षा परियोजना (डीआरआईपी) अन्तर्गत बांध के विभिन्न प्रकार के सुरक्षात्मक एवं आधुनिकीकरण के कार्य शामिल किए। इसमें बांध की गैलरी का सुरक्षात्मक कार्य कराने के साथ बांध क्षेत्र में सड़क का निर्माण कार्य कराया जाएगा। इसके अलावा पूरे बांध क्षेत्र में बिजली का कार्य होगा, वहीं हाईमास्ट लाइट की रोशनी से बांध दमकेगा। इसके अलावा जल निकासी छेदों की सफाई कराने के साथ पप सेट-जनरेटर स्थापित किए जाएंगे। सुरक्षा की दृष्टि से सपूर्ण बांध क्षेत्र में तारबंदी भी कराई जाएगी। रेडियल गेटों का विशेष रखरखाव कार्य होगा। बांध स्थल पर घाटों का निर्माण एवं विकास कार्य कराया जाएगा।

बनेगी सर्विस रोड

कार्य के अन्तर्गत पांचना बांध की सर्विस रोड बनाई जाएगी। इसके अलावा बांध पर स्थित रेस्ट हाउस की भी मरम्मत होगी। रेस्ट हाउस से नीचे बांध से नई सीढ़ियों का निर्माण होगा।

पहले निरस्त हो चुके टेण्डर

पांचना बांध विश्व बैंक पोषित बांध सुरक्षा परियोजना में शामिल है। बांध पर कार्यों को लेकर जल संसाधन विभाग की ओर से पूर्व में तीन बार टेण्डर किए थे, जो निरस्त हो गए। जिसके चलते लबे समय से पांचना बांध पर विकास कार्य अटके पड़े हैं। जल संसाधन विभाग जयपुर मुख्यालय की ओर से पांचना बांध के कार्यों को लेकर पिछले करीब डेढ़ वर्ष में तीन बार टेण्डर किए गए, लेकिन तीनों निरस्त हो गए।

घर मंगवाये जागरूक जनता
हमें कहें.....

सदस्यता फार्म
दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि
☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....
पता : ....
....
फोन .... पिन कोड
राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....
डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....
दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →
जागरूक जनता
विश्वसनीय हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

जयसमंद वन्यजीव अभयारण्य

सेंचुरी में दिखेगा वाइल्ड लाइफ और हेरिटेज टूरिज्म का संगम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। सलूम्बर जिले के जयसमंद वन्यजीव अभयारण्य में वन और विरासत के पर्यटन का संगम देखने को मिलेगा। वन विभाग की ओर से अभयारण्य में स्थित रूठी रानी के महल और हवा महल का जीर्णोद्धार कर इन्हें पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने की योजना है। जिसके तहत विभाग की ओर से 8 करोड़ के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। इसके तहत जहां दोनों महलों के जीर्णोद्धार की योजना है। वहीं यहां तक पहुंच आसान बनाने के लिए एप्रोच रोड व पेट्रोलिंग ट्रेक आदि के कार्य शामिल हैं।वन विभाग के अनुसार इन कार्यों को पयर्टन विभाग के सहयोग से कराया जाएगा। इसमें रूठी रानी महल के जीर्णोद्धार, एप्रोच रोड, रिटेनिंग वॉल, वॉटर सप्लाई सिस्टम और सोलर पैनल आदि कार्यों का 3 करोड़ का प्लान तैयार किया गया है। इसके अलावा हवा महल में मरम्मत, रेस्टोरेशन ऑफ हेरिटेज बिल्डिंग, प्लांटिंग, इंटरप्रिटेशन सेंटर, डिस्प्ले ऑफ हिस्ट्री एंड मॉन्यूमेंट्स, पेट्रोलिंग ट्रेक निर्माण, वनस्पती एवं वन्यजीवों की जानकारी देने आदि के कार्य करवाए जाएंगे। इसके लिए 5 करोड़ के प्रस्ताव बनाए हैं।

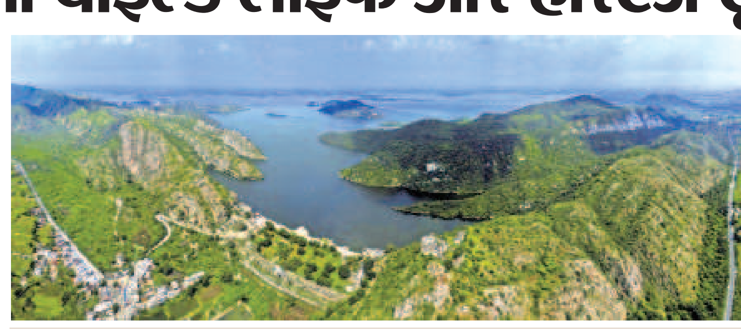

सलूम्बर जिले के पर्यटन को लगेंगे चार चांद

यदि वन विभाग के इन प्रस्तावों को मंजूरी मिलती है तो यह सलूम्बर जिले के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिहाज से मील का पत्थर होंगे। जिस तरह उदयपुर में सज्जनगढ़ पैलेस पर्यटकों का आकर्षण है। उसी तरह सलूम्बर के जयसमंद अभयारण्य क्षेत्र में ये दोनों महल पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेंगे। अभी दोनों जगह जीर्ण शीर्ण हालात में होने से यहां पर्यटकों का पगफेरा ना के बराबद है।

नए सिरे से शुरू किए प्रयास

जयसमंद वन्यजीव अभयारण्य में स्थित रूठी रानी के महल एवं हवा महल के जीर्णोद्धार के प्रस्ताव पूर्व में भी वर्ष 2021-22 में तैयार किए गए थे। तत्कालीन जिला कलक्टर ने प्रस्तावों को पर्यटन विभाग को भेजा था। लेकिन मंजूरी नहीं मिली। इस बार जिला कलक्टर सलूम्बर के माध्यम ने नए सिरे से प्रस्ताव भिजवाए जा रहे हैं। मुख्य वन संरक्षक एसआरवी मूर्थि के निर्देशानुसार पूर्व के प्रस्तावों में बदलाव कर पर्यटन संवर्धन की दृष्टि से तैयार किया गया है।

जयसमंद वन्यजीव अभयारण्य में स्थित रूठी रानी महल व हवा महल के जीर्णोद्धार कर यहां पर्यटन की दृष्टि से सुविधाओं के विस्तार की योजना है। इससे अभयारण्य क्षेत्र में वाइल्ड लाइफ के साथ साथ हेरिटेज टूरिज्म विकसित होगा। सलूम्बर जिला कलक्टर के माध्यम से इन स्थानों का डवलपमेंट प्लान तैयार कर मंजूरी के लिए भिजवाया जा रहा है।
-देवेंद्र कुमार तिवारी, उपवन संरक्षक (वन्यजीव), उदयपुर

जागरूक खबरें

रूमा देवी बनेंगी अमेरिका की 'खास' मेहमान

» जागरूक जनता @ बाड़मेर। नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित डॉ. रूमा देवी 21 नवंबर को स्टैफोर्ड सेंटर टेक्सास यूएसए एनुअल गाला इवेंट में शामिल होंगी। इस प्रोग्राम में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में शिरकत करेंगी। आयोजन में रूमा देवी के साथ भारतीय फिल्म जगत की जानी-मानी अदाकारा भाग्यश्री और हैरिस काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी किम ओग भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम में डॉ. रूमा देवी भारतीय हस्तशिल्पकला, महिलाओं के आर्थिक उत्थान, कौशल विकास और सामाजिक बदलाव के लिए किए गए प्रयासों पर अपने अनुभव साझा करेंगी।

सीबीआई करेगी अनीता चौधरी मर्डर केस की जांच

» जागरूक जनता @ जोधपुर।

जोधपुर की ब्यूटीशियन अनीता चौधरी की हत्या को लेकर लंबे समय से चला आ रहा गतिरोध आज समाप्त हो गया। हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में सोमवार को हुए व्यापक धरने के बाद मंगलवार को सरकार ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी। मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने के साथ ही अनीता चौधरी के परिजनों का धरना भी समाप्त हो गया है। सरकार ने अनीता चौधरी के परिजनों को 51 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिए जाने का भी ऐलान किया है। हनुमान बेनीवाल के जोधपुर पहुंचते ही हजारों की संख्या में लोग धरने में पहुंचे। फिर सरकार की ओर से अधिकारी और ओसियां विधायक ने लोगों से बात करते की, जिसके बाद चार मांगों पर सहमति बनी।

मोदी-शी जिनपिंग के बाद अब जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री की मुलाकात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

रियो डी जेनेरियो। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी ने त20 शिखर सम्मेलन के इतर एक बैठक में पूर्वी लद्दाख के डेमचोक और देपसांग की सीमाओं से सेनाओं की वापसी की प्रक्रिया की समीक्षा की। पर्वतीय क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास टकराव के दो बिंदुओं से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों पक्षों के बीच यह पहली उच्च स्तरीय बातचीत थी।

वैश्विक स्थिति पर भी हुई चर्चा

जयशंकर ने वांग के साथ बातचीत के बाद कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों की दिशा में उठाए जाने वाले अगले कदमों को लेकर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्री ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "रियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान सीपीसी (चीनी कम्युनिस्ट पार्टी) पोलित ब्यूरो के सदस्य और चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की।" उन्होंने कहा, "हमने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों से हालिया सैन्य वापसी प्रक्रिया में हुई प्रगति पर गौर किया। हमारे द्विपक्षीय संबंधों की दिशा में अगले कदमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। वैश्विक स्थिति पर भी चर्चा की।"

भारत-चीन में बनी सहमति

ब्राजील सोमवार और मंगलवार को जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। सीमा विवाद को सुलझाने के लिए भारत और चीन द्वारा एक समझौता किए जाने के बाद भारतीय और चीनी सेनाओं ने पिछले महीने डेमचोक और देपसांग में सेनाओं की वापसी की कवायद पूरी कर ली थी। दोनों पक्षों ने लगभग साढ़े चार साल के अंतराल के बाद दोनों क्षेत्रों में गश्त गतिविधियां भी फिर से शुरू की हैं।

संसद के शीतकालीन सत्र से पूर्व सर्वदलीय बैठक 24 को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले सरकार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मंगलवार को की एक 'पोस्ट' में बताया कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र के मद्देनजर 24 नवंबर की सुबह सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है।

बता दें कि संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा और 20 दिसंबर को समाप्त होगा। संविधान अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संविधान सदन या पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि सरकार द्वारा सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई जाती है ताकि विपक्ष को सरकार के विधायी एजेंडे की जानकारी दी जा सके और साथ ही उन मुद्दों पर चर्चा की जा सके जिन पर राजनीतिक दल संसद में बहस करना चाहते हैं।

भारत ने मेटा पर लगाया 213.14 करोड़ का जुर्माना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने कहा कि वह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के उस पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने के फैसले से सहमत नहीं है और इसके खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। यह जुर्माना 2021 में व्हॉट्सएप की प्राइवेसी पॉलिसी अपडेट के संबंध में अनुचित व्यावसायिक तरीकों को अपनाने के लिए लगाया गया है। इसके अलावा, CCI ने मेटा को प्रतिस्पर्धा-रोधी व्यवहार को बंद करने और उनसे दूर रहने का निर्देश दिया है। CCI के आदेश के अनुसार, मेटा और व्हाट्सएप को प्रतिस्पर्धा रोधी मुद्दों के समाधान के लिए एक निश्चित समय-सीमा के भीतर कुछ व्यावहारिक उपायों को लागू करने के लिए भी कहा गया है।

महाराष्ट्र विस चुनाव आज, 288 सीटों के लिए होगी वोटिंग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मुंबई। देश के सबसे समृद्ध राज्य महाराष्ट्र में कल चुनाव होने है। महाराष्ट्र की जनता 288 सीटों के लिए करेगी वोटिंग करेगी। इस दौरान भाजपा नेतृत्व वाली महायुति और विपक्षी MVA के बीच कड़ा मुकाबला रहने वाला है। महायुति और MVA ने अपनी जमीन मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की है।
महाराष्ट्र के कुछ सीटों पर रोमांचक टक्कर देखने मिलेगी। मुंबई की वर्ली से सीट से आदित्य ठाकरे और शिवसेना (शिंदे) के मिलिंद देवड़ा में टक्कर रहेगी। पवार परिवार का गढ़ बारामती में कड़ी टक्कर है। अजित पवार के खिलाफ शरद पवार के भतीजे युगेंद्र पवार मैदान में है।

45 साल पुराने होटल का नाम बदला, अब खादिम नहीं, कहलाएगा अजयमेरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार ने अजमेर में राज्य पर्यटन निगम के प्रसिद्ध होटल खादिम का नाम बदलकर 'अजयमेरू' रख दिया है। एक आधिकारिक आदेश में बताया गया कि शहर की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के उद्देश्य से यह बदलाव किया गया। राजस्थान पर्यटन विकास निगम ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देशों के बाद सोमवार को यह आदेश जारी किया।

वासुदेव देवनानी के निर्देश पर बदला नाम

अधिकारियों ने बताया कि देवनानी ने RTDC को जिला कलेक्ट्रेट के सामने स्थित होटल का नाम बदलने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि होटल का नाम अजमेर के समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास, विरासत और पहचान को प्रतिबिंबित करना चाहिए। यह होटल पर्यटकों,अधिकारियों और स्थानीय लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। बता दें कि देवनानी ने अजमेर स्थित किंग एडवर्ड मेमोरियल का नाम बदलकर हिंदू दार्शनिक स्वामी दयानंद सरस्वती के नाम पर रखने का भी सुझाव दिया है।

संबंध 7वीं शताब्दी से

अजमेर सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह के लिए प्रसिद्ध है, और 'खादिम' नाम इसी से जुड़ा है। बता दें कि अजमेर को ऐतिहासिक रूप से 'अजयमेरू' नाम से जाना जाता था और प्राचीन भारतीय शास्त्रों और ऐतिहासिक ग्रंथों में इस नाम का इस्तेमाल किया गया है। 'अजयमेरु' नाम का संबंध 7वीं शताब्दी से है, जब महाराजा अजयराज चौहान ने इस शहर की स्थापना की थी। इतिहासकारों के अनुसार, इस नाम का इस्तेमाल प्राचीन ऐतिहासिक अभिलेखों और भौगोलिक संदर्भों में भी किया गया है। वासुदेव देवनानी के निर्देश के बाद RTDC की एमडी सुषमा अरोड़ा ने निगम के निदेशक मंडल की बैठक में होटल खादिम का नाम बदलकर 'अजयमेरु' रखने के आदेश जारी किए।

दिल्ली का हिमाचल भवन होगा कुर्क

बकाया नहीं चुका पाई हिमाचल की सुक्खू सरकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए दिल्ली स्थित हिमाचल भवन को अटैच कर दिया है। अदालत ने बिजली कंपनी को हिमाचल भवन की नीलामी करने की छूट दे दी है, ताकि वह अपनी 64 करोड़ रुपये की रकम वसूल कर सके। यह रकम अब ब्याज सहित 150 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुकी है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय मोहन गोयल ने पारित किया, जिससे प्रदेश सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं और सचिवालय में हलचल मच गई है। हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार के लिए यह निर्णय एक गंभीर संकट का संकेत है, क्योंकि अदालत ने बिजली कंपनी को न केवल अपनी रकम वसूलने के लिए हिमाचल भवन को नीलाम करने का आदेश दिया है, बल्कि प्रारंभिक प्रीमियम के मामले में पार्षद और अधिकारियों की जिम्मेदारी पर भी सवाल उठाए हैं। अदालत ने आदेश दिया है कि प्रधान सचिव बिजली इस मामले की फैक्ट फाइंडिंग जांच करें और यह पता लगाएं कि कौन से अधिकारी जिम्मेदार थे जिन्होंने वक्त पर रकम नहीं जमा की।

देवनानी ने देखी जापान की संसद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को जापान की संसद नेशनल डाइट का अवलोकन किया। देवनानी ने वहां की संसदीय व्यवस्थाओं की जानकारी ली। देवनानी ने जापान संसद का भवन, सदन, दीर्घाएं, सदन में सदस्यों के बैठने की व्यवस्था, सदन की कार्य प्रणाली, अपर हाऊस, लोअर हाऊस, हां पक्ष व ना पक्ष लॉबी सहित विभिन्न कक्षों और सदस्यों की ऑन लाईन उपस्थिति का अवलोकन किया। श्री देवनानी ने कहा कि जापान में सदन की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमों और वहां की परम्पराओं और रीति-नीति के अनुसार होता है। देवनानी ने जापान की संसद में निचले सदन जिसे प्रतिनिधि सभा कहते है और उपरी सदन जिसे पार्षदों का सदन कहा जाता है, को देखा। जनता द्वारा सीधे चुने जाने वाले सदन के सदस्यों का यह सदन द्विसदनीय विधान पालिका है। दोनों सदनों का चुनाव समान्तर मतदान से होता है।

आप ने केंद्र से मांगी अनुमति, पीएम मोदी से भी हस्तक्षेप की अपील

दिल्ली में अब होगी कृत्रिम बारिश!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 488 दर्ज किया गया। जो बेहद गंभीर श्रेणी को दर्शाता है। इस बीच पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने केंद्र से इस मुद्दे से निपटने के लिए एक आपात बैठक बुलाने का आग्रह किया और कहा कि इस मामले में हस्तक्षेप करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नैतिक जिम्मेदारी है।

'केंद्र नहीं दे रहा कृत्रिम बारिश की अनुमति'

राय ने कहा कि केंद्र ने राष्ट्रीय राजधानी में कृत्रिम बारिश की अनुमति देने के दिल्ली सरकार के बार-बार अनुरोध पर कोई कार्रवाई नहीं की है और वह केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को इस संबंध में फिर से पत्र लिखेंगे। उन्होंने कहा, "दिल्ली में ग्रैप (ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान) चरण 4 के प्रतिबंध लागू हैं और हम वाहनों एवं औद्योगिक प्रदूषण को कम करने के लिए हरसंभव कदम उठा रहे हैं। शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों की संख्या को कम करने के उद्देश्य से निजी वाहनों और ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है।'

उल्लंघन का आरोप

राय ने कहा कि 'ग्रैप' को पूरे उत्तर भारत में लागू किया जाना चाहिए और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राज्यों पर नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। अगर प्रदूषण की स्थिति ऐसे ही बनी रही तो ग्रैप-4लागू रहेगा, हम कोई छूट नहीं देंगे।"

गोपाल राय ने कही ये बात

राय ने कहा, हम धुंध को कम करने के उपायों पर विचार करने के लिए विशेषज्ञों से परामर्श कर रहे हैं। कृत्रिम बारिश विचाराधीन समाधानों में से एक है, जो प्रदूषकों को कम करने और हवा को साफ करने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने प्रदूषण की गंभीर स्थिति पर आपात बैठक बुलाने और कृत्रिम बारिश की अनुमति देने के दिल्ली सरकार द्वारा किए जा रहे अनुरोध का जवाब नहीं दिया है, अगर केंद्र सरकार कार्रवाई नहीं कर सकती तो पर्यावरण मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।

प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग

राय ने इस मामले में प्रधानमंत्री मोदी से भी हस्तक्षेप करने की मांग की और कहा कि इस संबंध में कार्रवाई करना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वह यादव को एक और पत्र लिखकर उनसे आपातकालीन बैठक बुलाने का आग्रह करने वाले हैं। दिल्ली सरकार केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है, लेकिन केंद्र को आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों की एक बैठक बुलाकर नेतृत्व करना चाहिए जिन्होंने कृत्रिम वर्षा पर व्यापक शोध किया है। इसके लिए विभिन्न केंद्रीय विभागों की अनुमति और सहयोग की आवश्यकता है।"

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

दूध का दूध-पानी का पानी कैम्प में 225 दूध के सैंपल की हुई जांच

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. सरस डेयरी द्वारा अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान मे सीए सर्किल, सेक्टर-14 मे दूध का दूध-पानी का पानी कैंप आयोजित किया गया। उदयपुर डेयरी के प्रबंध संचालक विपिन शर्मा ने बताया कि उपभोक्ता जागरूकता अभियान में उपभोक्ताओं को जागरूक करने की दृष्टि से आयोजित कैंप मे 225 दूध के सैंपल लिए, जिनकी उपभोक्ताओं के समक्ष जांच की गई। अधिकांश सेम्पल निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाये गये। संघ के अध्यक्ष डालचंद डांगी ने बताया कि बाजार मे उपलब्ध मिलावटी दूध एवं दुग्ध उत्पादों से उपभोक्ता बचने व उपभोक्ताओं को निर्धारित मानक का सरस का ताजा, शुद्ध एवं पौष्टिक दूध ही उपयोग मे लेने की सलाह दी गई। साथ ही निर्धारित गुणवत्ता से नीचे का दूध एवं दुग्ध पदार्थ सेवन नही करने हेतु जागरूक किया गया।

43वां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2024

राजस्थान मंडप में लाख से बनी चूड़ियों ने दर्शकों को किया आकर्षित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के राजस्थान पवेलियन में लाख की चूडियों एवं लाख से बनी अन्य वस्तुएं दर्शकों विशेषकर महिलाओं को अपनी और खूब आकर्षित कर रही है।

राजस्थान मंडप के स्टॉल न. 3 व 6 में जयपुर से आए लाख के कारीगर इस्लाम अहमद ने बताया कि भारतीय संस्कृति में लाख को बहुत ही शुभ माना जाता है, विशेषतौर पर भारतीय नारियों में इसे सुहाग का प्रतीक माना जाता है। लाख से बनी चूडीयां पहनकर स्त्रियां अपने पति की लम्बी आयु की कामना करती हैं।

वे बताते हैं कि लाख हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। शादी या विवाह का अवसर हो या मकान की नींव भरने का समय, बच्चे के जन्म का मौका हो या सगाई इत्यादि के अवसर पर लाख की चूडीयां, दुल्हन को सुहाग के प्रतीक के रूप में पहनना अनिवार्य समझा जाता है। शादी तथा तीज त्यौहारों, होली, दिवाली व अनेक खुशी के अवसरों पर लाख की चुड़ियों का तथा लाख की

अन्य वस्तुओं का आदान- प्रदान किया जाता है। लाख को सोने के जेवरों में भी भरा जाता है। अहमद ने बताया कि मेरे वालिद के पिता ने ही भारत सरकार द्वारा स्थापित निर्यात केन्द्रों एवं रिटेल शाप्स पर सर्वप्रथम लाख का सामान बनाकर दिया था। उन केन्द्रों के माध्यम से पूरे भारत वर्ष के सरकारी रिटेल कांउटरों तथा विदेशों में लाख से निर्मित वस्तुएं भेजी गई। उन्होंने बताया कि विश्व के कई राष्ट्राध्यक्षों को उनके जयपुर आगमन पर इनके परिवार की ओर से लाख निर्मित वस्तुएं भेंट की गई।

उन्होंने बताया कि उनके वालिद लाख से पैन और फैन्सी आइटम बनाने का कार्य करते रहे। हाथ में पहनने वाले लाख के मोटे कड़े पर ''डासिंग पीकाक'' तथा ''मछली'' का काम एक नायाब कारीगरी है जो कि उन्होंने स्वयं तैयार की है। उन्होंने बताया कि आज लाख कला सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। फिर चाहे लाख की चूडीयां हों या सजावटी या दैनिक उपयोग की वस्तु सभी में यह प्रयोग किया जाता है। इनमें अगरबत्ती स्टेण्ड,हाथी घोड़ा, ऊंट, एस्टरे, चाबी के छल्ले, फोटो फ्रेम, शीशा, ज्वैलरी बाक्स फरुट प्ले, टेबल डायरी, ग्लास इत्यादि चीजें ही क्यों न हो, लाख कला जगत को ये सब वस्तुएं उन्हीं के परिवार की देन हैं।

» जागरूक जनता @ नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वायु सेना मुख्यालय में वायु सेना कमांडरों के सम्मेलन (एएफसीसी) को संबोधित करते हुए।

उत्तर मध्य रेलवे में 1300 किमी का कार्य होगा जल्द शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

धौलपुर। रेल सफर को सुरक्षित बनाने के लिए इन दिनों रेलवे कवच प्रणाली पर ध्यान दे रही है। यह कवच प्रणाली हादसों को राकेगी और यात्रा के लिए रेलवे को और अधिक सुरक्षित बनाएगी। उधर, कवच प्रणाली को लेकर उत्तर-मध्य रेलवे ने कार्य शुरू कर दिया है। एनसीआर में 2500 किलोमीटर कवच कार्य को हरी झण्डी मिल चुकी है। जिसमें से 1300 किमोमीटर कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में एनसीआर में कार्य शुरू हो जाएगा। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य मार्गों पर कवच प्रणाली लागू करने वाले अग्रणी रेल जोनों में से एक है। यह प्रणाली उत्तर मध्य रेलवे के सभी प्रमुख मार्गों पर स्थापित की जा रही है। यह प्रणाली दिल्ली हावड़ा, दिल्ली-मुंबई एवं दिल्ली-चेन्नई मार्गों पर स्थापित की जा रही है।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की सम्पन्न हुई क्रिकेट प्रतियोगिता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। शहर में पहली बार आयोजित दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की प्रथम राज्य स्तरीय विद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता का हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ, जिसमें विजेता टीम व खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार, प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। दीपक पगारिया, लक्ष्मी लाल स्वर्णकार ने बताया कि दृष्टिहीन क्रीड़ा परिषद अजमेर व चित्तौड़गढ़ विक्टर राउण्ड टेबल 361 के संयुक्त तत्वावधान में समग्र शिक्षा के संरक्षण में दृष्टिबाधितों को समाज की मुख्यधारा में समायोजन, समाज में इनके प्रति सकारात्मक सोच का निर्माण, भेदभाव को रोकना, इनके अधिकार एवं क्षमताओं के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से चित्तौड़गढ़ में राज्य में दृष्टिबाधित के लिए संचालित आवासीय विद्यालयों में अध्यनरत

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की प्रथम राज्य स्तरीय विद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में राज्य की चार प्रमुख टीम राजकीय प्रज्ञाचक्षु अंध

विद्यालय उदयपुर, राजकीय उच्च माध्यमिक अंध विद्यालय आदर्श नगर अजमेर, राजकीय उच्च माध्यमिक अंध विद्यालय आंगणवा जोधपुर, नेत्रहीन विकास संस्थान उच्च माध्यमिक जोधपुर के दृष्टिबाधित विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय इन्दिरा गांधी स्टेडियम में किया गया। फाइनल मैच नेत्रहीन विकास संस्थान जोधपुर एवं राजकीय उच्च माध्यमिक अंध विद्यालय आदर्श नगर अजमेर के मध्य खेला गया। इस मैच का शुभारम्भ सासंद सीपी जोशी, मिठ्ठू लाल जाट, प्रधान देवेन्द्र कंवर, अनिल सिसोदिया, सागर सोनी, लोकेश त्रिपाठी, रौनक जैन, भारती वैष्णव, भगवती, संगीता ओझा आदि की उपस्थिति में हुआ। अतिथियों द्वारा सर्व प्रथम टीम से परिचय लिया व शुभकामनाऐं देते हुए मैच प्रारम्भ कराया गया। सांसद जोशी एवं उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर सांसद ने दिव्यांग को समान अवसर प्रदान करने व इनके सामाजिक पुनर्वास के लिए इस प्रकार की गतिविधियो की सराहना कर केन्द्र व राज्य सरकार की दिव्यांग कल्याण हेतु दी जा रही सुविधाओं को साझा किया। इस अवसर पर केन्द्र की योजना अन्तर्गत दृष्टि दिव्यांगों को दिये जाने वाले विशेष सहायक स्मार्ट चश्में की जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन हेमेन्द्र कुमार सोनी द्वारा किया गया। समापन अवसर पर लालचंद रावत, विनीत जैन, ऋषभ सिसोदिया, प्रतिक सिसोदिया, कार्तिक जिंदल, वैभव जैन, जीतूराम जाट, केसी सोनी, प्रेम प्रकाश गोठवाल, पुपेन्द्र सिह आदि उपस्थित रहें। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक खिलाडियो को प्रतीक चिन्ह, प्रमाण पत्र भेंट किये गये तथा तृतीय टीम को सीवीआरटी 361 की ओर से 5 हजार रूपये नगद व चतुर्थ टीम को 5 हजार रूपये क्रीड़ा परिषद अजमेर द्वारा सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया। प्रतियोगिता में 137 रन बनाकर नेत्रहीन विकास संस्थान जोधपुर की टीम विजेता रही जिसे 10 हजार रूपये नगद पुरस्कार व कप तथा राजकीय उच्च माध्यमिक अंध विद्यालय आदर्श नगर अजमेर की टीम उपविजेता रही जिसे 7 हजार रूपये नगद व उपविजेता कप अतिथियों द्वारा वितरित किये गये। साथ ही मैन ऑफ दी मैच किशोर अजमेर व जसराज जोधपुर व मैन ऑफ दी सीरिज जसराज जोधपुर ने खिताब जीता जिन्हे विशेष शील्ड प्रदान की गई। इस अवसर पर अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने दमोह में की 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना की समीक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी ने मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान मंगलवार को दमोह जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कृषि और अन्य विभागों की समीक्षा बैठक में भाग लिया। इस बैठक में उन्होंने अधिकारियों और किसान बंधुओं से संवाद स्थापित किया। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने ''एक जिला-एक उत्पाद'' योजना के जमीनी क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की। उन्होंने योजना के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाना है, ताकि क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिले और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त हों। एक जिला-एक उत्पाद योजना के तहत स्थानीय उत्पादों के बेहतर क्रियान्वयन और दमोह जिले में इसके सफल भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा भी की गई।

राईजिंग राजस्थान : ऊर्जा विभाग की प्री-समिट आज, अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के लिए होंगे एमओयू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में बुधवार 20 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से होटल जयपुर मैरियट में राइजिंग राजस्थान के तहत ऊर्जा विभाग की ओर से प्री-समिट का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर सहित ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े उद्यमी एवं निवेशक तथा अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।

ऊर्जा विभाग के प्री-समिट के उद्घाटन सत्र में अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक स्वागत उद्बोधन देंगे। इसके पश्चात् सीआईआई, एनटीपीसी, टाटा पावर, सिक्योर मीटर, आइसोलेशन एनर्जी, सिमन्स एनर्जी, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, जीई वेमावा इंडिया सहित अनेक सरकारी एवं प्राइवेट कम्पनियों के प्रमुख अपना उद्बोधन देंगे। साथ ही मुख्य सचिव सुधांशु पंत भी उद्बोधन देंगे। इसके बाद एनर्जी सेक्टर में निवेश के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ एमओयू किए जाएंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने बताया कि राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत 'एम्पावरिंग राजस्थानः अनलोकिंग द स्टेट एनर्जी पोटेन्‌यल' थीम पर आयोजित इस प्री-समिट में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और बायोमास ऊर्जा उत्पादन से जुड़ी कंपनियों, सी आई आई एवं ऊर्जा विभाग के अधिकारी शामिल होंगे।

सागाणा कुआं में नशामुक्ति और डीजे पर ग्रामीणों ने रोक लगाई

» जागरूक जनता @ रावतसर। ग्राम पंचायत रामसर कुआं के राजस्व गांव के ग्रामीणों की जगदम्बा माता मंदिर में बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि राजस्व गांव सागाणा कुआं के ग्रामीण किसी व्यक्ति की मृत्यु पर बारह दिन तक कोई भी नशे की चीज का उपयोग नहीं होगा। और गंगाप्रसादी में भोजन सुबह के एक समय और उसमें भी हलवा,चीणा और सब्जी, रोटी का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा शादी में डीजे पर पूर्णतया रोक रहेगी। निर्णयों का उलंघन करने पर इक्यावन हजार रुपए का आर्थिक दंड जगदम्बा माता मंदिर में जमा किया जाएगा।सागाणा कुआं रावतसर, बेरीवाला तला और रामसर कुआं सीमा पर स्थित है। इस अवसर पर रूपा राम पोटलिया, मूला राम सारण, विरधा राम,धोंकला राम सेंवर, गंगा राम सेंवर, जेठा राम

जाखड़, चुतरा राम बेनीवाल, अमरा राम पोटलिया, कंवरा राम पोटलिया, हुकमा राम सारण, मोमता राम सेंवर, पुनमा राम, जोगा राम, हुकमा राम सेंवर, पूर्व सैनिक खेताराम सारण,रामाराम बेनिवाल, हिमथाराम, पेमाराम पोटलिया, लालाराम भांभू, रणवीर सिंह, केसराराम, राऊराम, अमराराम सारण, धर्माराम सारण, अणदाराम पोटलिया तथा अन्य समस्त गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया बाइट

सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए कुछ राजनेता कर रहे है अमर्यादित कृत्य-रामलाल शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा के पूर्व विधायक और प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया बाइट के दौरान राजनेताओं द्वारा कार्यपालिका को लेकर दिए जा रहे बयान की निंदा की और इसे अमर्यादित बताते हुए सस्ती लोकप्रियता हासिल करने तथा समाज में अराजकता का माहौल बनाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुछ नेताओं के बयान और उनके कृत्यों ने राजस्थान की राजनीति को शर्मसार करने का कार्य किया, यह सहन नहीं होगा, प्रदेश की जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कहा कि आजादी के समय भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू की गई। इसमें व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका बनाई गई लेकिन आज प्रदेश की राजनीति में कुछ राजनेता ऐसा कृत्य कर रहे है जो कानून सम्मत नहीं है, व्यवहारिक नहीं है, नीतिगत नहीं है, नैतिकता के अनुरूप नहीं है और यहां तक की मानवता के अनुरूप भी नहीं है। राजनीति में जनता के मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना, जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष करना नितांत आवश्यक है ,लेकिन राजनीति मुद्दों के आधार पर अपनी सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करना उचित नहीं है। राजस्थान की राजनीति में विगत दिनों में चार घटनाएं ऐसी घटित हुई जो प्रदेश की राजनीति को शर्मसार करती है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कहा कि कार्यपालिका के किसी व्यक्ति को सार्वजनिक स्थानों पर लज्जित करना या उसके कार्य में बाधा डालना, बर्दाश्त नहीं होगा। बाडमेर के एक जनप्रतिनिधि ने सार्वजनिक मुद्दों में कानून हाथ में लेते हुए कार्य में बाधा डाली और उसकी रील बनाते हुए उसको सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए अधिकारियों का मनोबल डाउन करने का कृत्य किया।

अनूठे रेस्टोरेंट्स टेस्ट के साथ एडवेंचर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

वैसे तो दुनिया भर में हजारों रेस्टोरेंट्स मौजूद हैं। लेकिन भारत सहित कई अन्य देशों में कुछ ऐसे अनोखी थीम वाले रेस्टोरेंट भी बनाए गए हैं, जहां बैठकर अपनी फेवरेट डिश का मजा लेना रोमांच से भर देता है। ऐसे ही कुछ अजब-गजब और अनूठी थीम वाले रेस्टोरेंट्स के बारे में यहां आपको बता रहे हैं।

इथा अंडर-सी रेस्टोरेंट मालदीव

इथा, दुनिया के सबसे आकर्षक रेस्टोरेंट्स में से एक है। समुद्र के भीतर बना यह अंडरवॉटर रेस्टोरेंट समुद्र के नीचे 16 फीट की गहराई पर स्थित है। इस रेस्टोरेंट में बैठकर आप यूरोपीय और एशियाई व्यंजनों का लुत्फ उठाते हुए समुद्री जीवन और महासागर के खूबसूरत दृश्यों का आनंद भी साथ-साथ ले सकते हैं।

द स्नो कैसल ऑफ केमी फिनलैंड

उत्तरी फिनलैंड के शहर केमी में स्थित यह विशाल रेस्टोरेंट, पूरी तरह बर्फ से बना है। यह हर साल समुद्र तट पर बनाया जाता है और जनवरी के अंत से अप्रैल की शुरुआत तक वहां खड़ा रहता है। अपनी तरह के इस अनोखे होटल में आप बर्फीली सर्दी के बीच गरमा-गरम स्वादिष्ट खाने या ड्रिंक्स का आनंद ले सकते हैं। आपको बता दें कि स्नो कैसल होटल ने 'वर्ल्ड लग्जरी होटल अवॉर्ड्स 2016' में दो श्रेणियों में पुरस्कार भी प्राप्त किया था।

टॉयलेट रेस्टोरेंट ताइवान

क्या आपने कभी सोचा है कि जिस टॉयलेट सीट का इस्तेमाल आप वाशरूम में करते हैं, उस सीट को भोजन करने के और परोसने लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है? ताइवान में स्थित टॉयलेट रेस्टोरेंट, एक ऐसा ही रेस्टोरेंट है, जहां ग्राहक टेबल या कुर्सी पर नहीं, बल्कि टॉयलेट सीट जैसी चेयर पर बैठकर भोजन करते हैं। यही नहीं, आपको जानकर आश्चर्य होगा कि डिशेज और ड्रिंक्स भी यहां टॉयलेट सीट के शेप में बने बर्तनों में ही सर्व की जाती हैं।

प्रिजन थीम रेस्टोरेंट चीन

चीन में अजीबो-गरीब थीम पर बेस्ड कई रेस्टोरेंट्स हैं, उन्हीं में से एक है प्रिजन यानी जेल जैसी जगह का अनुभव कराने वाला प्रिजन थीम रेस्टोरेंट। यहां जेल जैसे बने केबिन के भीतर रखे टेबल पर आपको खाना सर्व किया जाता है। यहां आपकी खातिरदारी में लगे वेटर्स, शेफ, मैनेजर और रेस्टोरेंट के सभी कर्मचारी कैदी और जेलर की ड्रेस में नजर आते हैं। बिना जुर्म किए ही जेल की हवा और टेस्टी फूड खाने के शौकीन यहां जा सकते हैं।

हार्ट अटैक ग्रिल रेस्टोरेंट अमेरिका

अमेरिका के लास वेगास में स्थित 'हार्ट अटैक ग्रिल रेस्टोरेंट' अपनी अनोखी थीम और अलग तरह की डिशेज के लिए मशहूर है। इस रेस्टोरेंट में एंटर होते ही यहां की वेट्रेस, नर्स की यूनिफॉर्म में आपका स्वागत करती हैं। ये आपको एक आर्म बैंड और मरीजों वाले गाउन देंगी, जिन्हें पहनकर ही आप यहां भोजन कर सकते हैं। इस रेस्टोरेंट में डिशेज के नाम भी बेहद अजीबो-गरीब हैं, जैसे-प्लेट लाइन फ्राइज, बायपास बर्गर, कोरोनरी हॉट डॉग आदि।

रेस्टोरेंट इन एयर बेल्जियम

बेल्जियम का यह रेस्टोरेंट अपने आप में अद्भुत है। यह हवा में लटका रहता है। इस रेस्टोरेंट में खाना भी हवा में ही परोसा जाता है। दरअसल, यहां क्रेन की मदद से एक डाइनिंग टेबल हवा में 50 मीटर की ऊंचाई पर लटकाई जाती है, जहां बैठकर लोग हवा में ही खाने का लुत्फ उठाते हैं। एडवेंचर के साथ टेस्टी डिशेज का स्वाद चखने के शौकीनों के लिए यह रेस्टोरेंट एक अच्छा ऑप्शन है।

भारत में भी मौजूद हैं अनोखी थीम वाले कई रेस्टोरेंट्स

कैट स्टूडियो कैफे मुंबई

मुंबई का पहला और अनोखा कैट कैफे स्टूडियो, ना केवल अपने ग्राहकों को कॉफी सर्व करता है, बल्कि बिल्लियों के लिए उनके घर के जैसा भी है। यहां आने वाले ग्राहक, बिल्लियों के साथ खेल सकते हैं, उन्हें ढेर सारा प्यार दे सकते हैं। यही नहीं, इन्हें अपनी गोद में भी ले सकते हैं। यह अनोखा कैफे आर्ट एग्जीबिशंस, ओपन माइक नाइट्स, थिएटर आदि के साथ बहुत सारे कार्यक्रम भी आयोजित करता है, जिससे लोग बिल्लियों के साथ खेलते हुए शो का आनंद ले सकते हैं। यह कैफे अपनी इनकम का 2 से 15 प्रतिशत तक बिल्लियों की देखभाल में खर्च करता है।

तिहाड़ जेल फूड कोर्ट नई दिल्ली

जैसा आप जानते ही हैं कि तिहाड़ जेल अपने देश की सबसे मशहूर और सबसे बड़ी जेलों में से एक है, जहां खतरनाक कैदियों को रखा जाता है। हालांकि यहां का प्रशासन, कैदियों को जीवन में कुछ अच्छा करने के लिए उन्हें दूसरा मौका देने के साथ, अच्छे आचरण या काम के लिए उन्हें पुरस्कृत भी करता रहता है। वहां फूड कोर्ट की स्थापना, इसी दिशा में एक अच्छा कदम है। फूड कोर्ट में काम करने की योग्यता के लिए कैदी के पास कम से कम 12 साल की कैद, जिस दौरान उसने किसी भी तरह का कोई गलत काम ना किया हो और न्यूनतम हाई स्कूल तक की शिक्षा होनी चाहिए।

न्यू लकी रेस्टोरेंट अहमदाबाद

अहमदाबाद का न्यू लकी रेस्टोरेंट, अपने आपमें बेहद अनोखा है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि इसे कब्रिस्तान के ऊपर बनाया गया है। यही नहीं, इस रेस्टोरेंट में ग्राहकों की टेबल के साथ ही एक कब्र भी मौजूद है। यह रेस्टोरेंट उन्हीं लोगों के लिए बना है, जो कब्र के पास बैठकर खाने-पीने की चाहत और साहस रखते हों। इस रेस्टोरेंट का निर्माण लगभग 50 साल पहले किया गया था।

बांस कम निवेश में देता है बड़ा फायदा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बांस एक ऐसा पेड़ है, जिसे लगाकर और उसमें थोड़ा सा निवेश-देखभाल करके छोटे किसान भी आराम से अच्छा-खासा लाभ कमा सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि बांस का पेड़ जहां किसानों के लिए फायदेमंद होता है, वहीं यह पर्यावरण और कृषि भूमि के लिए भी बहुत लाभकारी होता है।

पेड़ नहीं घास है: लैटिन भाषा में बांस को 'बैंबू' कहते हैं। बांस ग्रामिनीई कुल की एक अत्यंत उपयोगी घास है, जो भारत के प्रत्येक भौगोलिक क्षेत्र में पाई जाती है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक बांस की कुछ प्रजातियां, एक दिन में लगभग 3 फीट तक बढ़ जाती हैं यानी देखा जाए तो करीब 1.5 इंच हर घंटा बांस का पेड़ बढ़ सकता है।

ऐसे होती है बांस की खेती: बांस की खेती करने के लिए, बांस की नर्सरी को एक खास गोलाकार जगह में लगाते हैं, जो जमीन से थोड़ा ऊपर टीले के रूप में उठी होती है, उसमें कई दर्जन बांस की नर्सरी लगा दी जाती है और फिर इस पूरे गोलाकार टीले को बांस की कोठी कहते हैं। इसे बहुत ज्यादा देखभाल की जरूरत नहीं होती। बस इसे थोड़े-थोड़े दिनों में पानी और खाद देने की जरूरत होती है। इसके बाद यह अपने आप ही तेजी से बढ़ता है। शुरू में बांस ढाई-तीन या तीन से पांच सालों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं।

देता है अच्छा मुनाफा: बांस की एक-एक कोठी में कम से कम 60 से 100 तक बांस लगते हैं और जब दो से ढाई साल के बाद बांस परिपक्व हो जाते हैं, तो एक बांस कम से कम 200 रुपए का बिकता है। इस तरह एक कोठी में कम से कम 10 से 12 हजार रुपए के बांस तैयार हो जाते हैं। इस हिसाब से एक एकड़ में अगर 40 कोठियां लगी हों, जो कि आमतौर पर लग जाती हैं, तो 3 साल में एक एकड़ में 4 से 5 लाख रुपए के बांस बेचे जा सकते हैं।

जमीन बनाए उपजाऊ: किसानों के लिए आर्थिक फायदे के अलावा बांस का पेड़ अपने इर्द-गिर्द की जमीन को उपजाऊ बनाता है तथा वातावरण को भी शुद्ध रखता है। यह मिट्टी के कटाव को रोकता है। इसकी जड़ें गहरी और विस्तृत होती हैं, जो जमीन के नीचे तक जाकर मिट्टी को पकड़ कर रखती हैं। बांस की जड़ें चूंकि जमीन में नमी बरकरार रखने में मदद करती है, इसलिए जहां बांस होते हैं, वहां की मिट्टी में पानी को एकत्र रखने की क्षमता बढ़ जाती है यानी बांस का पेड़ वर्षा जल का अच्छा रिजर्वायर होता है।

कहिए, सब बढ़िया है!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सुख और दुःख, हमारे जीवन के दो पहिए हैं। दोनों की धुरी पर ही जीवन की गाड़ी चलती है। जीवन में सुख और दुःख का आना-जाना लगा रहता है, यह जानते-समझते हुए भी हम सुख का स्वागत तो खुले दिल से करते हैं, लेकिन दुःख की जरा-सी आहट पाते ही घबरा जाते हैं। सुख-दुःख के दो पहियों पर चल रहे जीवन में हमें सुख के साथ-साथ दुःख के प्रति भी सकारात्मक रवैया अपनाना चाहिए।

ना रोएं दुःखों का रोना: दुनिया में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है, जो यह कह सके कि उसने जीवन में कभी दुःख नहीं देखा। हां, इस बात का रोना रोने वाले जरूर मिल जाएंगे कि जीवन में दुःख ही दुःख है। ऐसे में अगर आप किसी को अपना एक दुःख बताने जाएंगे तो वे आपको अपने चार दुःख और सुना देंगे। इससे आपका अपना दुःख कम होने के बजाय और भी बढ़ जाएगा। आप ही विचार कीजिए, अपने दुःखों का रोना रोने से भला उसका कोई समाधान निकलता है? निश्चित ही नहीं!

रखें सकारात्मक सोच: कहते हैं, दुःख को जितना महसूस किया जाए यह उतना ही ज्यादा बड़ा लगता है। अगर हम दुःखों में हमेशा दुःखी रहने के बजाय मन में सकारात्मक सोच रखेंगे और खुद को अच्छे और सकारात्मक कार्यों में व्यस्त रखेंगे तो बड़े-से-बड़ा दुःख आकर गुजर जाएगा और हमें दुःख का अधिक एहसास भी नहीं होगा।

मन में रखिए अपना दुःख: कई बार हम अपना दुःख अपने किसी के साथ इस उम्मीद के साथ शेयर करते हैं कि वह दुःख में हमारा साथ देगा, साथ खड़ा रहेगा, लेकिन ऐसा कम ही होता है। उल्टे कई बार हमारा दुखड़ा उनके लिए मजाक और व्यंग्य का विषय बन जाता है।

दुःख को छोटा-सुख को बड़ा समझें: सुखी जीवन जीने के लिए हमेशा अपने दुःखों को उसकी वास्तविकता से छोटा और सुखों को उसकी वास्तविकता से बड़ा समझें। यकीन मानिए, इससे आपके जीवन की आधी परेशानियां तो अपने-आप ही दूर हो जाएंगी। इससे आपको दुःख में दुःख का एहसास कम होगा और सुख में स्वयं को और अधिक सुखी महसूस करेंगे। मनोविज्ञान भी यही कहता है कि जब व्यक्ति किसी क्षणिक दुःख को भी लगातार सोचता रहता है तो उसका दिमाग शिथिल होने लगता है और वह अपने दैनिक जीवन की सामान्य उलझनों को भी नहीं सुलझा पाता। जबकि छोटी-छोटी खुशियों में खुश रहने वाला व्यक्ति अपने बड़े-बड़े दुःखों और परेशानियों को भी बड़ी कुशलता और शांति के साथ हल कर लेता है।

सोच का पड़ता है प्रभाव: कई आध्यात्मिक विचारधाराओं और वैज्ञानिक शोधों के अनुसार, जीवन में वही होता है, जो हम मान रहे होते हैं। अगर हम मन से यह मान लेंगे कि जीवन में दुःख ही दुःख है, तो हम और दुःखों को ही आकर्षित करेंगे। वहीं अगर मन में विश्वास रखें कि अच्छा समय है और जो छोटे-मोटे दुःख हैं ये भी बीत ही जाएंगे तो जीवन सुखी लगने लगेगा। इस तरह आप और सुखों को आकर्षित करेंगे। इसलिए सुख हो या दुःख, हमेशा सकारात्मक रहें और जब कोई आपसे आपका हाल पूछे, तो एक मुस्कान और सकारात्मकता के साथ कहें, 'सब बढ़िया है...!'

हाल में रिलीज फिल्म 'भूल भुलैया 3' ने सफलता की हैट्रिक लगाई है। इस बार भी फिल्म में विद्या बालन ने मंजुलिका का रोल निभाया है। साथ में माधुरी दीक्षित और कार्तिक आर्यन भी हैं। फिल्म में माधुरी के सामने विद्या की इंपॉर्टेंस घटी तो नहीं? माधुरी और कार्तिक के साथ उनके एक्सपीरियंस कैसे रहे? फिल्म 'भूल भुलैया-3' और करियर से जुड़ी बातचीत विद्या बालन से।

माधुरी के साथ डांस करना मेरे लिए आसान नहीं था : विद्या बालन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जब निर्देशक प्रियदर्शन ने 2007 में 'भूल भुलैया' बनाई थी, उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि इस फिल्म की सीरीज भी बन सकती है। लेकिन 2022 में 'भूल भुलैया 2' और अब 2024 में निर्देशक अनीस बज्मी ने इस फिल्म का सीक्वल बनाया। फिल्म के तीनों पार्ट सफल रहे। 'भूल भुलैया' के पहले और तीसरे पार्ट में भी विद्या बालन ने 'मंजुलिका' का किरदार निभाया और इसे यादगार बनाया। इस बार फिल्म में उनके साथ माधुरी दीक्षित और कार्तिक आर्यन भी हैं। फिल्म और करियर से जुड़े सवालों पर विद्या बालन से लंबी बाचतीत हुई, प्रस्तुत है प्रमुख अंश।

इस बार फिल्म 'भूल भुलैया' के तीसरे पार्ट में माधुरी दीक्षित नेने भी हैं। उनके साथ स्क्रीन शेयर करके कैसा लगा?

'भूल भुलैया 3' के डांस-नंबर में माधुरी दीक्षित के साथ विद्या बालन

मैंने जब 'भूल भुलैया 3' साइन की थी, उस वक्त माधुरी इस फिल्म का हिस्सा नहीं थीं। फिल्म के मेकर्स ने किसी और को फिल्म में लेने के बारे में बाद में सोचा। माधुरी जब इस फिल्म का हिस्सा बनीं, उस वक्त मैंने अंदाजा लगा लिया था कि फिल्म में उनके साथ मेरा डांस रखा जाएगा। माधुरी के लिए क्लासिकल डांस करना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उनकी जैसी ग्रेट डांसर के साथ डांस करना मेरे लिए आसान नहीं था।

माधुरी के साथ क्या आपको फिल्म की शूटिंग के दौरान किसी चैलेंजिंग मोमेंट का सामना करना पड़ा?

'भूल भुलैया' के पहले पार्ट में मेरे डांस नंबर 'आमि जे तोमार' की काफी तारीफ हुई थी। इस बार इस डांस-नंबर में मेरे साथ माधुरी भी थीं। मुझे इस बात को लेकर काफी तनाव था। मैंने इस गाने में अपनी जान लगा दी। इस डांस के कोरियोग्राफर चिन्नी प्रकाश हैं। जब डांस की शूटिंग स्टार्ट हुई तो माधुरी ने दो बार अचानक अपने डांस-स्टेप्स बदल दिए। मैं हड़बड़ा गई, मैंने कहा, 'यह नया स्टेप मुझसे नहीं होगा।' माधुरी ने वो पोज और स्टेप्स मुझे खुद सिखाए, जिससे मेरे लिए वो डांस-स्टेप्स करना आसान हो गया। उस वक्त मुझे एहसास हुआ कि वह जितनी अच्छी एक्टर-डांसर हैं, उतनी ही बेहतरीन इंसान भी। मुझे इस बात की खुशी है कि माधुरी के साथ फ्रेम में होने के बावजूद दर्शकों को मेरा डांस पसंद आया।

क्या माधुरी दीक्षित को फिल्म में लेने के बाद आपका किरदार एडिट किया गया?

'भूल भुलैया 1' में मेरा निभाया मंजुलिका का किरदार दर्शकों को खूब पसंद आया था। जब 'भूल भुलैया 2' के लिए मुझसे पूछा गया, तो मैं इस बात को लेकर कन्विंस नहीं थी कि किसी सफल फिल्म का सीक्वल भी बन सकता है, मैंने फिल्म के लिए मना कर दिया। लेकिन जब अहसास हुआ कि सीक्वल भी पसंद किया जाता है तो मैंने 'भूल भुलैया 3' के लिए हां कह दिया। रही बात मेरे रोल को एडिट करने की, मैंने जो स्क्रिप्ट पढ़ी थी, फिल्म में अपने रोल को बिल्कुल वैसा ही पाया।

फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ पहली बार काम करने का अनुभव कैसा रहा?

कार्तिक बहुत खुश मिजाज इंसान हैं। मेरी उनसे मिनटों में दोस्ती हो गई। शूटिंग के दौरान हमारे बीच एक हेल्दी रिश्ता बन गया था।

क्या आप ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए काम करना चाहेंगी?

ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए मुझे ऑफर्स आते तो हैं, लेकिन इस प्लेटफॉर्म पर क्राइम, थ्रिलर, डार्क कंटेंट की भरमार रहती है। फिल्मों में क्राइम का जॉनर अलग ढंग का होता है, ओटीटी पर क्राइम बहुत ज्यादा दिखाया जाता है। अभी ओटीटी प्लेटफॉर्म से थोड़ा बचना चाहती हूं।

अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में बताएं?

मैं अब कुछ अच्छी कॉमेडी फिल्में करना चाहती हूं, जिसमें परफॉर्म करने में मुझे मजा आए और दर्शक भी अपने गम, परेशानियां, तनाव भूल जाएं।

पहले से ज्यादा कॉन्फिडेंट हूं

विद्या बालन को अपने नए और फ्रेश लुक के लिए आजकल काफी तारीफ मिल रही है। इस बारे में पूछने पर वह बताती हैं, 'मेरा वजन हार्मोनल इश्यूज की वजह से पिछले कई वर्षों से एक्सरसाइज-डाइट के बाद भी कम नहीं हुआ। जबकि मैं पूरी तरह से शाकाहारी हूं, एक अनुशासित जिंदगी जीती हूं। जिम, योग करती हूं, इसके बाद भी वजन कम नहीं हुआ। एक दिन मेरे पति सिद्धार्थ रॉय कपूर ने कहा कि मुझे अपनी इस हेल्थ इश्यू पर चेन्नई के एक एक्सपर्ट से राय लेनी चाहिए। मैंने उन्हें अपने बढ़ते वजन को लेकर नहीं, अनाज खाते ही होने वाली जलन और पेट दर्द को लेकर बात की। उन्होंने मेरा डाइट-प्लान चेंज किया, इससे चमत्कारी फायदा मिला। मुझमें नई ऊर्जा का संचार हुआ, हार्मोनल इश्यूज गायब हो गए, वजन कम हुआ। आज मैं पहले से ज्यादा कॉन्फिडेंट महसूस करती हूं।'